तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री से.
न्यूनतम 18.0 डिग्री से.

हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 25 अक्टूबर 2026

10 800 मीटर रेस में रवीना प्रथम शशि द्वितीय और खुशी...



10 संत महापुरुषों की शिक्षाओं को अपनाकर ही मानव....



खबर संक्षेप

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो व्यक्ति घायल

जींद। टैनरी मोड़ नाके निकट तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पटेल नगर निवासी आकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 18 अक्टूबर को वह अपने दोस्त शांति नगर निवासी सुमित के साथ बाइक पर सवार होकर बड़ा बीड़ वन की तरफ से घर आ रहे थे। जब वे टेनरी मोड पर पहुंचे सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

मारपीट करने पर तीन के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव खेड़ी मसानिया में युवक के साथ मारपीट करने पर उचाना थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव खेड़ी मसानिया निवासी राजेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी अजमेर से कहासूनी हो गई। जिस पर अजमेर, उसकी मां सावित्री तथा भाई शीला ने हमला कर दिया। जिसमें उसे काफी चोटें आई। उचाना थाना पुलिस ने राजेश की शिकायत पर तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रंजिशन हमला करने पर पांच नामजद

जींद। गांव पालवां में रंजिशन हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव पालवां निवासी अजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत बीस अक्टूबर को उसकी धर्मबीर परिवार से कहासुनी हो गई। जिस पर धर्मबीर परिवार के लोगों ने उस पर तेज रफ्तार हथियारों तथा डंडों से हमला कर दिया। जिसमें उसे गंभीर चोटें आई। आसपास के लोगों द्वारा बीचबचाव किए जाने पर हमलावर धमकी देते हुए फरार हो गए।

ड्रेन के पंप हाउस से पांच मोटर चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव नंदगढ़ ड्रेन पर पंप हाउस से पांच बिजली मोटरे चोरी होने पर जुलाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिंचाई विभाग के जेई सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि विभाग ने गांव नंदगढ़ के निकट ड्रेन के पंप हाउस पर 50 हॉर्स पावर की बिजली मोटरें रखी हुई हैं ताकि बरसाती पानी की निकासी हो सके। बीती रात चोरों ने पांच बिजली मोटरों को चोरी कर लिया। घटना का उस समय पता चला जब कर्मचारी पंप हाउस पर पहुंचे।

अलग-अलग स्थानों से दो नाबालिग लड़कियां लापता

जींद। जुलाना थाना इलाके में अलग-अलग स्थानों से दो लड़कियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण के मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलों की जांच कर रही है। जुलाना थाना इलाके के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात उसकी 17 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। वहीं गांव मालवी से भी गत 21 अक्टूबर की रात को साढ़े 17 वर्षीय लड़की गायब हो गई। दोनों अभिभावकों ने गायब लड़कियो को तलाशा भी लेकिन उनका कोई सुराग नही लगा।

कैथलः मारपीट में दंपती सहित चार घायल

कैथल। मुंदड़ी गांव में प्लाट पर जा रहे दंपती का रास्ता रोककर मारपीट करने और गंडासी से हमला कर दिया। गांव निवासी महिला अनीता रानी ने महाबीर, महेंद्र और निर्मला पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। हमले में महिला के पति विनोद कुमार, भतीजे सुजल और जेठ पवन कुमार को चोटें आई हैं। विनोद कुमार की हालत गंभीर होने के कारण उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। पूंडरी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरबीएसके के तहत सितंबर माह में जींद के 10 बच्चों की सफल सर्जरी

जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित नौ बच्चों और तालू में जन्मजात कटाव से पीड़ित एक बच्चे का हुआ उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला में बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में गत सितंबर माह के दौरान जिले के 10 बच्चों की विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों में सफलतापूर्वक सर्जरी करवाई गई। इन बच्चों के उपचार एवं सर्जरी के लिए राज्य सरकार की ओर से लगभग सात लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग की ओर से बच्चों में जन्मजात बीमारियों की समय पर पहचान और उन्हें उचित उपचार उपलब्ध करवाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। उप सिविल सर्जन डा. दिनेश गुप्ता के नेतृत्व में जिला में कार्यरत आरबीएसके की 12 टीमें बच्चों की स्क्रीनिंग कर रही हैं ताकि जन्मजात स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान कर जरूरतमंद बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध करवाया जा सके। नौ बच्चों के हृदय रोग और एक बच्चे के तालू की समस्या का हुआ उपचारः नागरिक अस्पताल की सीएमओ डा. सुमन कोहली ने बताया कि सितंबर माह के दौरान जिन 10 बच्चों की सर्जरी करवाई गई। उनमें से नौ बच्चे जन्मजात हृदय रोग यानी दिल में छेद की समस्या से पीड़ित थे, जबकि एक बच्चा क्लेफ्ट पैलेट यानी तालू में जन्मजात कटाव की समस्या से ग्रस्त था। आरबीएसके के माध्यम से बच्चों को चिन्हित कर आवश्यक उपचार के लिए संबंधित अस्पतालों में रेफर किया गया, जहां उनकी सफलतापूर्वक सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि इनमें दो बच्चों की सर्जरी पीजीआईएमएस रोहतक में, दो बच्चों की नारायणा अस्पताल गुरुग्राम में, दो बच्चों की फोर्टिस अस्पताल में तथा तीन बच्चों की इंडस अस्पताल डेराबस्सी में करवाई गई।



आवश्यक उपचार की व्यवस्था

सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन्म से लेकर 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में जन्मजात दोषों, बीमारियों, पोषण संबंधी कमियों तथा विकास में होने वाली देरी की समय रहते पहचान करना और उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध करवाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों की स्क्रीनिंग, बीमारी की पहचान, विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास रेफरल तथा आवश्यक उपचार की व्यवस्था की जाती है। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि आर्थिक कारणों से किसी भी जरूरतमंद बच्चे को उपचार से वंचित न रहना पड़े।

दो की पीजीआईएमएस रोहतक, दो की नारायणा अस्पताल गुरुग्राम में, दो बच्चों की फोर्टिस अस्पताल में तथा तीन बच्चों की इंडस अस्पताल डेराबस्सी में करवाई सर्जरी।

पुलिस ने ट्रक चालक और सहायक को किया गिरफ्तार

केले लोड ट्रक से 23 किलो 408 ग्राम चूरा पोस्त बरामद

आरोपितों से नशे के नेटवर्क के बारे में की जा रही पूछताछ

सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव बीबीपुर के निकट नाकेबंदी कर वाहनों पर नजर रखनी शुरू की थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

डिटेक्टिव स्टाफ ने गांव बीबीपुर के निकट ट्रक से 23 किलो 408 ग्राम चूरा पोस्त बरामद कर दो तस्करों को काबू किया है। चूरा पोस्त को केलों की आड़ ने तस्करी कर लाया जा रहा था। सदर थाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपितों के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। डिटेक्टिव स्टाफ को सूचना मिली थी कि भिवानी रोड पर मुंढाल की तरफ से केलों से लोड ट्रक में नशीले पदार्थों को तस्करी कर जींद की तरफ लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव बीबीपुर के निकट नाकेबंदी कर वाहनों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद पुलिस ने मुंढाल की तरफ से आ रहे ट्रक को रूकवा लिया। जिसमें केला लोड किया गया था। जब ट्रक की तलाशी ली गई तो उसके कैबिन में दो कट्टे रखे दिखाई दिए। जांचने पर उनमें चूरा पोस्त पाया गया। जिसका वजन 23 किलो 408 ग्राम पाया गया।



जींद। पुलिस गिरफ्त में दोनों नशा तस्कर।

अंबाला के लिए लोड किया था केला

पुलिस पूछताछ में ट्रक चालक की पहचान आश्रम बस्ती निवासी प्रगट उर्फ गौरव तथा उसके बगल में बैठे युवक की पहचान हनुमान नगर निवासी नरविंद्र के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि केले को अंबाला के लिए लोड किया गया था। सदर थाना पुलिस ने चालक प्रगट सिंह तथा उसके सहायक नरविंद्र के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। डिटेक्टिव स्टाफ प्रभारी संदीप ने बताया कि केले की आड़ में चूरा पोस्त तस्करी की सूचना मिली थी। दो तस्करों को काबू किया गया है। आरोपितों से नशे के नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है। प्रभारी संदीप ने बताया कि केले की आड़ में चूरा पोस्त तस्करी की सूचना मिली थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से परिवार के 20 वर्षीय इकलौते बेटे की जान गई

■ ढांड के पास कैथल-कुरुक्षेत्र रोड पर हादसा, चालक वाहन सहित फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

कैथल-कुरुक्षेत्र रोड पर सोलूमाजरा से आगे ढांड स्थित ज्ञानचंद पेट्रोल पंप से कुछ दूरी पहले बीती रात एक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक अपनी बाइक पर गांव बंदराना से ढांड की तरफ आ रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन के साथ उसकी जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में युवक के सिर पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया। ढांड थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर बहादुर सिंह और जांच अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान हर्ष पुत्र सुखबीर, निवासी गांव बंदराना, उम्र 20 वर्ष के रूप में हुई है। हादसा बीती रात करीब 10:15 बजे हुआ। मृतक के चाचा कृष्ण कुमार ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ ढांड थाना में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक हर्ष अपने पिता के साथ मजदूरी का काम करता था और परिवार का इकलौता बेटा था। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक के शव का कैथल के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



ट्राले ने ट्रैक्टर-ट्राली को मारी टक्कर, एक युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

चीका रोड पर गली नंबर-5 के पास धान की बोरियों से भरे ट्राले ने पीछे से ट्रैक्टर-ट्राली को टक्कर मार दी। हादसे में ट्राली में बैठा पट्टी अफगान निवासी बिट्टू नीचे गिर गया और ट्राले का पहिया उसके ऊपर से निकल गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर पर सवार तीन अन्य युवक घायल हो गए। हादसे के बाद ट्राला चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस को दी शिकायत में अर्जुन नगर निवासी संदीप ने बताया कि 23 अक्टूबर को वह रघबीर, सुरेंद्र और बिट्टू के साथ सोनालिका ट्रैक्टर-ट्राली में चंदाना रोड स्थित खेतों से पराली भरकर ढांड रोड स्थित शक्तिमान फैक्टरी में डालने गए थे। शाम को पराली खाली करने के बाद वे घर लौट रहे थे। शाम करीब 7 बजे चीका रोड पर गली नंबर-5 के पास पीछे से आए धान की बोरियों से भरे ट्राले ने उनके ट्रैक्टर की ट्राली को टक्कर मार दी। आरोप है कि ट्राला चालक तेज वाहन चला रहा था और उसने हॉर्न भी नहीं बजाया। टक्कर लगने से ट्राली में बैठा बिट्टू गिरा और ट्राले का पहिया उसके ऊपर से निकल गया।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज में गिरने से पेंटर की जान गई

कैथल। सांपन खेड़ी में निर्माणाधीन भगवान परशुराम मेडिकल कॉलेज में शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे यूपी के प्रतापगढ़ निवासी धर्मराज का शव अकेडमी ब्लॉक की बेसमेंट की सीढ़ियों में मिला। वह करीब एक महीने से मेडिकल कॉलेज में पेंट का काम कर रहा था। उसके सिर पर चोट थी। पुलिस ने शुरूआती जांच में सीढ़ियों से गिरने की आशंका जताई गई है। कैथल सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में मृतक की पत्नी गीता ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब 10 बजे सभी खाना खाकर सो गए थे। शनिवार सुबह करीब 4 बजे धर्मराज शौच के लिए गया और लौटकर कुछ देर उनके पास बैठा। इसके बाद वह वहां से चला गया। सुबह करीब 8:30 बजे सीढ़ियों में शव मिलने की सूचना मिली।



कैथल। आईटीआई के नवनियुक्त प्रधानाचार्य जगमोहन का स्वागत करते कर्मचारी।

जगमोहन ने संभाला रा.आईटीआई प्रधानाचार्य का पदभार

कैथल। जगमोहन ने शनिवार को राजकीय आईटीआई कैथल के प्रधानाचार्य एवं जिला नोडल अधिकारी का पदभार संभाल लिया। इससे पूर्व वे राजकीय आईटीआई कुरूक्षेत्र में प्रधानाचार्य एवं जिला नोडल अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। बता दें कि राजकीय आईटीआई कैथल के प्रधानाचार्य सतीश मल्होत्रा का तबादला राजकीय आईटीआई पानीपत में हो गया है। जगमोहन की गिनती विभाग के कुशल एवं अनुभवी प्रशासनिक अधिकारियों के रूप में होती है। जगमोहन का यहां पहुंचने पर कर्मचारियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। जगमोहन ने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक एवं नवीन तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिलाना ही उनकी पहली प्राथमिकता है। वे सभी स्टाफ सदस्यों के सहयोग से राजकीय आईटीआई कैथल व जिले के अन्य संस्थानों के स्तर को ऊपर उठाएंगे। राजकीय आईटीआई पबनावा के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार, वर्ग अनुदेशक राजबीर सिंह, सहायक गुरनाम सिंह, सूरजभान आदि मौजूद रहे।

लापता नाबालिग रेलवे स्टेशन पर मिली

■ सोशल मीडिया सहेली से मिलने पहुंची थी लड़की, दोस्त से मंदिर में शादी करवाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सदर थाना इलाका गांव से एक सप्ताह पहले गायब हुई नाबालिग लड़की रेलवे स्टेशन से बरामद हुई है। सदर थाना पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर एक युवती तथा एक युवक के खिलाफ अपहरण समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर थाना इलाके के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 16 अक्टूबर को उसकी साढ़े 16 वर्षीय बेटी अपनी सहेली नेहा से मिलने के लिए जींद कालेज आई। जिसके बाद उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा। जिसके बाद गत दिवस उसकी बेटी जींद रेलवे स्टेशन पर डरी हुई हालात में मिली। पूछताछ करने पर उसकी बेटी ने बताया कि उसकी सोशल मीडिया पर नेहा नाम की युवती से बात हो थी। जब कालेज पहुंची तो नेहा उसे वहां पर मिली। नेहा ने मंदिर में उसकी शादी मोहित से करवा दी। जिसके सबूत मोहित के पास हैं। आरोपितों ने उसकी बेटी को धर्मशाला में रखा। आरोपितों के साथ एक अन्य विक्रम नाम का युवक भी था। आरोपितों ने परिजनो से बात करने पर उसकी बेटी को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। आरोपित उसे लेकर ट्रेन से रोहतक पहुंचे तो उसकी बेटी आरोपितों की चंगुल से भाग निकलने में कामयाब हो गई और जींद पहुंच गई। सदर थाना पुलिस ने व्यक्ति की शिकायत पर आरोपित मोहित, नेहा के खिलाफ अपहरण समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच जारी

सदर थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि लड़की के पिता ने आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।



कैथल। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते अतिथि अध्यापक।

सिरसा से चली अतिथि अध्यापकों की यात्रा पहुंची कैथल

कैथल। अतिथि अध्यापकों को 3 वर्षीय पालिसी में माननीय हाईकोर्ट और सुप्रीम के अतिथि के अध्यापकों के पक्ष में निर्णय को लागू करवाने के लिए 21 अक्टूबर से सिरसा जिला से चली यात्रा कैथल जिला में पहुंची। इसका कैथल जिला के अतिथि अध्यापकों ने जोरदार स्वागत किया और जिसकी अध्यक्षता संयुक्त अतिथि अध्यापक मोर्चा के जिला प्रधान सुरेश बनवाला, राज्य वरिष्ठ उपप्रधान मास्टर सुभाष चन्द ने की ओर न्याय यात्रा कैथल आईटीआई के पास से चल कर शहर के पुराने बस स्टैंड, पेहवा चौक, करनाल रोड से गुजरती हुई बीजेपी जिला कार्यालय कपिल कमल पहुंची। यह 25 अक्टूबर को कैथल से कुरूक्षेत्र न्याय महारैली में पहुंचेगी जहां से पूरे हरियाणा से परिवार सहित सभी 12000 गेस्ट टीचर महारैली में पहुंचेंगे और कुरूक्षेत्र से न्याय यात्रा 12000 अतिथि अध्यापकों सहित महारैली के बाद चंडीगढ़ पहुंचेगी और वहां जाकर राज्यपाल सरकार को 12000 अतिथि अध्यापकों को 3 वर्षीय पालिसी में माननीय हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय अनुसार नियमित करने का ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पारंपरिक पोशाकों में सजी छात्राओं ने देशभक्ति और लोक संस्कृति से ओतप्रोत नृत्य प्रस्तुत कर मोहा मन

डिप्टी स्पीकर ने किया स्वदेशी मेले का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन और स्वदेशी जागरण मंच जींद के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को एसडी स्कूल ब्वायज विंग प्रांगण में छह दिवसीय भव्य स्वदेशी मेले का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डा. अंकेश्वर प्रकाश ने की। समाजसेवी रोशन लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा के प्रांत संगठक कुलदीप पूनिया ने कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। मंच पर मुख्यअतिथि डिप्टी स्पीकर को स्मृति चिह्न और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वावलंबन की ओर भारत के संकल्प के साथ आयोजित यह मेला 29 अक्टूबर तक चलेगा। मेले के उद्घाटन सत्र की शुरुआत दीप प्रज्जवलन और बेटियों द्वारा दी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। पारंपरिक पोशाकों में सजी छात्राओं ने मंच पर देशभक्ति और लोक संस्कृति से ओतप्रोत नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने हस्तनिर्मित थैलों (हैंडमेड बैग) के स्टॉल पर जाकर महिलाओं द्वारा तैयार किए उत्पादों की सराहना की।



जींद। स्टॉल पर जानकारी हासिल करते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान

उन्होंने जींद वासियों से अपील करते कहा कि हमें अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना चाहिए। हस्तशिल्पियों और स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए सामान को खरीदकर ही हम अपने देश और समाज को आर्थिक रूप से सशक्त व स्वावलंबी बना सकते हैं। मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से आए हस्तशिल्पियों के स्टॉल, पारंपरिक व्यंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वदेशी उत्पादों की विशाल प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र है। स्वदेशी जागरण मंच ने सभी शहरवासियों को सपरिवार मेले में आकर देश की समृद्ध कला, संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों का आनंद लेने व आत्मनिर्भर भारत के अभियान का हिस्सा बनने के लिए सादर आमंत्रित किया है।

63. 60 लाख की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल पुलिस की एंटी इमिग्रेशन सेल ने करीब 63 लाख 60 हजार रुपये की धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की सिमरनजीत सिंह निवासी गांव हाबड़ी की शिकायत अनुसार वह खेतीबाड़ी करता है और करीब सात वर्ष कनाडा में पढ़ाई करने के बाद मार्च 2025 में भारत लौटा था। इसके बाद वह अपने परिवार सहित दोबारा कनाडा जाने और वहां कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर के पद पर वर्क परमिट प्राप्त करने का इच्छुक था। इसी दौरान उसने फेसबुक पर चंडीगढ़ स्थित ग्रे इमिग्रेशन लॉ फर्म का विज्ञापन देखा। विज्ञापन के माध्यम से संपर्क करने पर कुछ व्यक्तियों ने स्वयं को इमिग्रेशन विशेषज्ञ बताते हुए उसे परिवार सहित कनाडा भेजने और वर्क परमिट दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद उसकी बातचीत प्रदीप कुमार, गुरदीप सिंह, रेशब और रमित कुमार सहित अन्य व्यक्तियों से होने लगी। अक्टूबर 2025 में प्रदीप कुमार और गुरदीप सिंह ने शिकायतकर्ता को कैथल बाईपास, पुंडरी-कैथल रोड पर बुलाया। वहां कनाडा भेजने के लिए प्रति व्यक्ति करीब 30 लाख रुपये की मांग की गई थी।

खबर संक्षेप

सृष्टि डांडिया कार्यक्रम का आयोजन आज

जींद। शहर की समाजसेवी संस्था सृष्टि फाउंडेशन रविवार को सायं सात बजे से लेकर 11 बजे तक गोहाना रोड स्थित निजी फार्म हाउस में अपने 22वें सृष्टि डांडिया कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। सृष्टि फाउंडेशन के प्रवक्ता बलविंदर सिंह के अनुसार सृष्टि डांडिया कार्यक्रम में मेट्रो अस्पताल के निदेशक डा. सुरेंद्र चौधरी व डा. पूजा बंसल, डेयरी एसोसिएशन के प्रधान रमेश ढिल्लो तथा शहर के समाजसेवी व कांग्रेस नेता पवन गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

पारिवारिक देखभाल से बच्चे का बेहतर सतत विकास संभव

जींद। सामुदायिक आधारित पुनर्वास और समावेशी शिक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं। शिक्षा के बिना पुनर्वास अधूरा है और पुनर्वास के बिना शिक्षा तक पहुंच संभव नही है। यह बात साइकोलॉजिस्ट डा. शिवम कावतरा ने भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में शनिवार को सामुदायिक आधारित पुनर्वास विषय पर आयोजित भारतीय पुर्नवास परिषद् की तीन दिवसीय जोनल स्तरीय सतत पुर्नवास शिक्षा कार्यक्रम के दूसरे दिन संबोधित करते हुए कही। संस्थान निदेशक डा. आशुतोष तथा बाहर से आए विशेषज्ञों ने दिव्यांग के पुनर्वास पर गहन मंथन किया।

महाराज अजमीढ देव की जयंती कल मनाई जाएगी

जींद। आगामी 26 अक्टूबर सोमवार को सुनार समाज के आदि देव महाराज अजमीढ देव जी की जयंती बहुत ही धुमधाम से मनाई जाएगी। अजमीढ जयंती की तैयारियों को लेकर मैढ सुनार सभा के पदाधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर निमंत्रण देने का अभियान चलाया जा रहा है। मैढ सनुार सभा के महासचिव प्रधान सत्यनारायण सोनी, महासचिव डा. राममेहर वर्मा ने बताया कि अजमीढ़ जयंती के अवसर पर स्थानीय सैक्टर छह जींद मे स्थित महाराज अजमीढ़ भवन एवं सुनार धर्मशाला मे स्वर्गीय श्रीनिवास वर्मा मैमोरियल हाल की उद्घाटन सुमेर चंद्र वर्मा के द्वारा किया जाएगा।

दो दिवसीय सीबीएसई क्षमता संवर्धन कार्यक्रम

जींद। डीएवी सेंटेनरी स्कूल में सामाजिक विज्ञान विषय पर दो दिवसीय सीबीएसई क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम प्राचार्य डा. नीरज कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया। इसमें विभिन्न सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के बड़ी संख्या में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में शीनम पीजीटी कॉमर्स, सेंट मैरी स्कूल हिसार और आशु पीजीटी कॉमर्सए इंदिरा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल उपस्थित रही।

बेलरखा में अभिभावक शिक्षक बैठक संपन्न

नरवाना। हरियाणा शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय, बेलरखा में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बच्चों की शैक्षणिक प्रगति एवं सीखने के स्तर पर शिक्षकों के साथ विचार-विमर्श किया। प्रदीप जागलान ने बताया कि निपुण रामलीला, बुनियादी साक्षरता, संख्या ज्ञान और निपुण हरियाणा मिशन के उद्देश्यों पर चर्चा की। शिक्षकों ने क्कर-1 परीक्षा के आधार पर छात्रों की प्रगति साझा की तथा अभिभावकों को घर पर बच्चों की पढ़ाई में सक्रिय सहयोग देने के लिए प्रेरित किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता में राजकीय कॉलेज तृतीय

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के तत्वावधान में आयोजित अंतर कालेज पुरूष किक्रेट प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय अलेवा की टीम द्वारा तीसरा स्थान प्राप्त करने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्राचार्य मुनीश कुमार ने की तथा संचालन टीम इंचार्ज अंकित ने किया। विजेता को सम्मानित किया गया। प्राचार्य मुनीश कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों ने खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा, अनुशासन और कड़ी मेहनत का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

राजकीय महिला महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

800 मीटर रेस में रवीना प्रथम शशि द्वितीय और खुशी तृतीय

प्रतियोगिता में दिव्या बेस्ट एथलीट चुनी, विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि रणधीर सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं। खेलों से विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़.चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी कम प्राचार्य राजकीय कालेज सत्यवान मलिक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



जींद। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।



जींद। दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

खेलों में भाग लेने से विद्यार्थियों में संघर्ष करने, कठिन परिस्थितियों का सामना करने और लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों में जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण भागीदारी, मेहनत और खेल भावना होती है। इस अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता का संचालन डा. राजेश बूरा प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतियोगिताओं के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेल गतिविधियों में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनूप मोर, डा. अलपना शर्मा, डा. संदीप शर्मा, डा. सुमन, डा. प्रतिभा, संजय कुमार, डा. आरसी जैन, जय नारायण गहलावत, सुरेंद्र कुमार, रवि कुमार तथा अन्य सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग दिया तथा प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता ने छात्राओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का अवसर प्रदान किया।

ये रहे विजेता



400 मीटर रेस में प्रथम शषि शर्मा, द्वितीय दिव्या व तृतीय खुशी रही। ट्रिप्पल जंप में प्रथम दिव्या, द्वितीय शशि शर्मा व तृतीय खुशी, 800 मीटर रेस में प्रथम रवीना, द्वितीय शशि शर्मा व तृतीय खुशी रही। 200 मीटर रेस में प्रथम ज्योति, द्वितीय शशि शर्मा व तृतीय दिव्या रही। चार गुणा 100 मीटर रिले रेस में प्रथम स्वाती ग्रुप, द्वितीय ज्योति ग्रुप व तृतीय खुशी ग्रुप रहा। 100 मीटर रेस में प्रथम ज्योति, द्वितीय शशि शर्मा व तृतीय मुस्कान, शॉटपूट में प्रथम ईशानी, द्वितीय निधि व तृतीय स्वाती रही। डिस्कस थ्रो में प्रथम कीर्ति, द्वितीय शशि शर्मा व तृतीय इशानी रही। लंबी कूद में प्रथम दिव्या, द्वितीय स्वाती व तृतीय शशि शर्मा रही। हाई जंप में प्रथम आंचल, द्वितीय दिव्या व तृतीया शशि शर्मा रही। महाविद्यालय की बैस्ट एथलिट दिव्या को मुख्यअतिथि ने पुरस्कृत किया गया।



जींद। नगूरां गांव में पंपलेट व पोस्टरों के माध्यम से लोगों को जागरूक करती स्वास्थ्य विभाग की टीम। फोटो :हरिभूमि

न शर्माना व न घबराना, टीबी की जांच जरूर करवाना : नरेंद्र ढांडा

विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान

- सभी सरकारी संस्थाओं में टीबी का इलाज बिल्कुल नि:शुल्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नगूरां गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने टीबी रोग के उन्मूलन के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने लोगों को ना शर्माना, ना घबराना, टीबी की अवश्य जांच करवाना नामक स्लोगनों से जागरूक करते हुए कहा कि टीबी एक गंभीर संक्रामक बीमारी है। जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है। टीबी दो प्रकार की होती है, प्लमोनरी (फेफड़ों) तथा एक्ट्रा प्लमोनरी (फेफड़ों के बाहर) की टीबी। फेफड़ों वाली टीबी में दो सप्ताह से अधिक समय तक रहने वाली खांसी, बलगम में खून आना, रात में पसीना आना, वजन घटना, सांस फूलना, भूख में कमी, सीने में दर्द, थकान और कमजोरी आदि लक्ष्ण हैं। फेफड़ों के अलावा अन्य अंगों, रीढ़ की हड्डी, मस्तिष्क, आंतों तथा गले की लिंफ नोड्स आदि में हो सकती है। जिसमें पीठ में लगातार दर्द रहना, पेट में दर्द, उल्टी और मतली, तेज सिर दर्द, गर्दन या अन्य जगह की ग्रंथियों में सूजन होना आदि लक्ष्ण हो सकते हैं। स्वास्थ्य निरीक्षक ने कहा कि अगर व्यक्ति को इस प्रकार के लक्ष्ण दिखाई दें तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने बलगम की जांच करवाएं ताकि समय रहते बीमारी पर काबू पाया जा सके। सभी सरकारी संस्थाओं में टीबी का इलाज मुफ्त करने के अलावा सरकार प्रति व्यक्ति एक हजार के पोषण के रूप में देती है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारी नरेंद्र कुमार, कुलदीप के अलावा आशा वर्कर मंजू, गीता, संतोष व ग्रामीणों ने भाग लिया।

अंडर 15-18 की 20 टीमें ले रहीं हिस्सा

- पहली बार जींद में आयोजित हुई अस्मिता रग्बी राज्य प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्रदेश की बेटियों को खेलों में आगे बढ़ाने व प्रतिभा को पहचान दिलाने के उद्देश्य से जींद के आधारशिला स्कूल में 24 से 25 अक्टूबर को अस्मिता रग्बी राज्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों की अंडर 15 और अंडर 18 आयु वर्ग की 20 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन दोनों आयु वर्गों में लड़कियों के लीग मुकाबले करवाए गए। प्रतियोगिता का शुभारंभ हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष के बेटे रुद्राक्ष मिड्ढा ने किया। अध्यक्षता रग्बी एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की उपाध्यक्ष संयम मराठा ने की। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए बबीता सिंह को टूर्नामेंट प्रबंधक और सहायक जिला न्यायवादी सारिका सिंह को न्यायिक अधिकारी नियुक्त किया गया है। रग्बी एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के निदेशक नरेंद्र मोर ने बताया कि राज्य में पहली बार अस्मिता रग्बी प्रतियोगिता की जा रही है। इसका उद्देश्य लड़कियों को रग्बी के माध्यम से आगे बढ़ने, प्रतिभा दिखाने और खेलों में नए अवसर हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। रग्बी हरियाणा के सचिव सुशील कुमार ने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिता में अंडर 15 और अंडर 18 आयु वर्ग की कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहले दिन लीग मुकाबले करवाए गए, जबकि दूसरे दिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे के मुकाबले और समापन संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के अवसर पर जिला रग्बी संघ के प्रधान सुरेश अहलावत, सचिव एवं एईओ मुनीत बेरवाल, उपप्रधान देवेंद्र शर्मा, कृष्ण सिंगरोहा, सोनिया, राजेंद्र सैनी,र गौरव आशरी और प्रदीप लाठर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।



रोडवेज का निजीकरण नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

- हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की जींद डिपो में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की बैठक जींद डिपो में हुई। इसमें नवनिर्वाचित पदाधिकारी के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम किया गया। राज्य महासचिव सुमेर सिवाच, राज्य कैशियर सुशील ईक्कस, राज्य कार्यालय सचिव सतबीर ने कहा कि 13 व 14 नवंबर को राज्य का त्रिवार्षिक प्रतिनिधि सम्मेलन में कर्मचारियों को मांग मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करते निजीकरण के खिलाफ लड़ाई पर विचार विमर्श किया जाएगा। कहा कि परिवहन परिवहन मंत्री से 16 जून को वार्ता में परिवहन मंत्री में स्वयं घोषणा की थी कि रोडवेज के बेड़े में 500 बसें ओर खरीदी जाएंगी। कर्मचारियों के कई मांगों पर सहमति जताते हुए 40 दिन में दोबारा बैठक करने का आश्वासन दिया था। सरकार मानी गई मांगों को लागू करने की बजाय विभाग में सरकारी बसें नहीं बढ़ा कर प्राइवेट परमिट देने शुरू कर जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। सभी यूनियनों को एक सूत्र में बांधते आगे बढ़ेंगे और रोडवेज का निजीकरण किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। सरकार बातचीत के माध्यम से समस्याओं का समाधान नहीं करती तो राज्य सम्मेलन में संघर्ष की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि बकाया बोनस का भुगतान किया जाए। खाली पदों पर प्रमोशन की जाए। 2016 के चालकों सहित सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। देय अर्जित अवकाश पहले की तरह लागू किया जाए। बकाया रात्रि ठहराव का भुगतान किया जाए ओवर टाइम पालिसी को खोला जाए। सभी गांव में रात्रि ठहराव किया जाए। पेंडिंग ओवर टाइम का भुगतान किया जाए। 11 साल से पेंडिंग बोनस का भुगतान किया जाए। 2006 से पहले नियुक्त किए गए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन में शामिल किया जाए। पुरानी पेंशन बहाल की जाए। विभाग में खाली पदों पर तुरंत पक्की भर्ती की जाए।



जींद। पद व गोपनीयता की शपथ लेते रोडवेज यूनियन नेता।



जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए टीमें। फोटो :हरिभूमि

बाल महोत्सवःहरियाणवी रागनी में बच्चों ने बांधा समां

जींद। बाल भवन में जिला स्तरीय बाल महोत्सव के चौथे दिन शनिवार को समूह गान और हरियाणवी रागनी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इनमें जिलेभर के 56 स्कूलों के 489 छात्रों ने भाग लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिताओं के दौरान छात्रो में खासा उत्साह देखने को मिला। उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद की प्रधान डा. वैशाली शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में जिला बाल कल्याण अधिकारी मलकीयत चहल ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों के साथ आए शिक्षकों और अभिभावकों को भी बच्चों को अधिक से अधिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं। जिला बाल कल्याण अधिकारी मलकीयत चहल ने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाला को मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए जींद की ओर से भेजा जाएगा।

डीबीके विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

जिला बाल कल्याण परिषद, जींद द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में डीबीके पब्लिक स्कूल, नरवाना के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्रा रितिका, कक्षा आठवीं, ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा अंशिका ने डिक्लेमेशन (भाषण) प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, छात्रा आँचल ने रंगोली प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कर स्कूल का गौरव बढ़ाया। उपलब्धि पर प्रधानाचार्य रीटा वालिया एवं निर्देशक राजेश शर्मा ने तीनों छात्राओं को बधाई दी। कहा कि प्रतियोगिताए छात्रों की रचनात्मकता, अभिव्यक्ति कौशल और आत्मविश्वास को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय प्रबंधन ने छात्राओं की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत, लगन और मार्गदर्शक शिक्षकों के सहयोग को देते उनके अभिभावकों को भी बधाई दी। विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। डीबीके पब्लिक स्कूल परिवार ने तीनों छात्राओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।





नरवाना। वो एंड टेल गतिविधि में भाग लेते विधार्थी। फोटो :हरिभूमि

छात्रों ने शो एंड टेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया

नरवाना। शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में प्री-नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे विद्यार्थियों के लिए बैगलेस डे के अंतर्गत शो एंड टेल गतिविधि का आयोजन किया गया। बच्चों को अपनी पसंद की वस्तुओं को प्रस्तुत करने तथा उनके बारे में अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया । गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति कौशल एवं भाषा विकास को बढ़ावा देना था। शो एंड टेल गतिविधि के दौरान नन्हे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को बोलने, सुनने तथा अपने विचारों को सरल शब्दों में व्यक्त करने का अवसर मिला। साथ ही, बच्चों की शब्दावली, संचार कौशल एवं मंच पर बोलने की झिझक को दूर करने का प्रयास किया गया। बैगलेस डे के माध्यम से बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी मिला। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल चहल ने कहा कि शो एंड टेल जैसी गतिविधियां बच्चों के आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पीपलथा-नारायणगढ़ में महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

महर्षि वाल्मीकि ने समाज को मानवता, सदाचार और समानता का मार्ग दिखाया

संत महापुरुषों की शिक्षाओं को अपनाकर ही मानव कल्याण संभवः कृष्ण कुमार बेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि संत महापुरुषों ने हमेशा समाज को समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया है। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। संत महापुरुषों के बताए रास्ते पर चलकर ही मानव कल्याण के साथ समाज और राष्ट्र की उन्नति संभव है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आपसी भाईचारे, सद्भाव और परोपकार की भावना अपनानी चाहिए कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को गांव पीपलथा और नारायणगढ़ में महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संत महापुरुषों की शिक्षाएं समाज को सही दिशा दिखाती हैं। उनके विचारों को जीवन में अपनाकर सामाजिक भेदभाव को दूर किया जा सकता है और समाज में एकता को मजबूत बनाया जा सकता है। महर्षि वाल्मीकि ने जीवन और विचारों से समाज को मानवता, सदाचार और समानता का मार्ग दिखाया। उनके आदर्शों को अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार संत महापुरुषों की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते गरीब और जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।



नरवाना। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का तिलक लगाकर कर स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

रामायण में दर्शाए आदर्श मानव जीवन के असली संस्कार, विचार और चरित्र निर्माण के मूल तत्व रहेंगे। दोनों गांवों में ग्रामीणों द्वारा रखी विकास कार्यों की मांगों को भी कैबिनेट मंत्री ने पूरा करवाने का आश्वासन दिया, साथ ही दोनों गांवों में संचालित भंडारा में 11- 11 हजार आर्थिक सहयोग दिया। ग्रामीणों द्वारा कार्यक्रमों में पहुंचने पर फूलमालाओं, पगड़ी तथा स्मृति चिन्ह के साथ कैबिनेट मंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। चेयरमैन मार्किट कमेटी अमित ढाकल, ओम प्रकाश सरपंच रेवर, कैबिनेट मंत्री के निजी सहायक मनोज कुमार, मीडिया प्रभारी संजय बल्हारा, जसवीर नैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण मौजूद रहे।



जींद। प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

वाद-विवाद प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष का सूरज प्रथम

जींद। संत शिरोमणि सैन भगत राजकीय महाविद्यालय के भूगोल युवा क्लब द्वारा विश्व जलवायु दिवस के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय जलवायु परिवर्तन, मानवता के लिए खतरा या बदलाव का अवसर रहा। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, तापमान वृद्धि, वर्षा, बाढ़, सूखा जैसी समस्याओं से अवगत कराना रहा। विद्यार्थियों ने जलवायु परिवर्तन के सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा की। महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लेने पर विद्यार्थियों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डा. कृष्ण कुमार ने की। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डा. प्रेम पूनम, मुकेश कुमारी एवं यशवंती ने निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूरज बीए तृतीय वर्ष रहे। जबकि द्वितीय स्थान विधि व गुरदीप ने तृतीय स्थान पाया । प्रतियोगिता के सफल आयोजन में भूगोल विभाग के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

एकजुटता का संदेश देगा ढुल खाप का सम्मेलन

ढांड। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला मीडिया प्रभारी सुभाष बढ़सीकरी ने कहा कि आगामी 1 नवंबर को जींद जिले के गांव रामराय स्थित ऐतिहासिक चबूतरे पर ढुल खाप का 20वां सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर खाप समाज के लोगों में भारी उत्साह है। यह सम्मेलन सामाजिक एकता, भाईचारे और समाज सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश देने का काम करेगा। बातचीत करते हुए सुभाष ने ढुल खाप से जुड़े सभी गांवों के लोगों, युवाओं एवं बुजुर्गों से सम्मेलन में बढ़-चढक़र भाग लेने का आह्वान किया।

महात्मा आनंद स्वामी को श्रद्धांजलि देकर किया याद



कैथल। ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल, कैथल में आयोजित प्रेरणा सप्ताह के अंतिम दिवस पर महात्मा आनंद स्वामी की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दैनिक यज्ञ के पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने स्वामी जी के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक घटनाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महात्मा आनंद स्वामी जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी,प्रखर राष्ट्रभक्त, समाज-सुधारक, उच्च कोटि के पत्रकार तथा आध्यात्मिक संत थे। उन्होंने धर्म, अध्यात्म एवं जीवन-दर्शन से संबंधित 30 से अधिक पुस्तकों की रचना की। उनकी रचनाओं का प्रमुख उद्देश्य गूढ़ वैदिक ज्ञान को सरल भाषा में जनसाधारण तक पहुंचाना था।

महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया

कैथल। डॉ. बीआर अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई- 2 द्वारा एक दिवसीय शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना तथा विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना था। शिविर के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने कक्षाओं, गलियारों, उद्यान क्षेत्र, खेल मैदान, पुस्तकालय परिसर तथा अन्य खुले स्थानों की सफाई की।

खरीद में से 71 प्रतिशत धान का उठान पूरा

कैथल। जिले की अनाज मंडियों में धान की आवक व खरीद के साथ साथ किसानों को फसल की अदायगी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। हरियाणा वेयरहाउस कॉरपोरेशन के जिला प्रबंधक अजय कुमार ने बताया कि डीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में एजेंसी द्वारा अब तक कुल खरीद में से 71 प्रतिशत धान का उठान पूरा किया जा चुका है और 97 प्रतिशत किसानों को उनकी फसल की अदायगी भी कर दी है। बताया कि भुगतान प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के लिए एजेंसी लगातार कार्य कर रही हैं। शेष 3 प्रतिशत भुगतान पोर्टल पर डेटा अपडेट नहीं होने के कारण लंबित है। पोर्टल पर संबंधित डेटा प्रदर्शित होते ही नियमानुसार लंबित भुगतान भी कर दिया जाएगा।

खेलकूद प्रतियोगिता में छात्राओं में दिखा जोश, जज्बा व जुनून

राजकीय कन्या महाविद्यालय चीका की छात्रा सुखप्रीत बनी बेस्ट एथलीट

- दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने 11 प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला चीका

राजकीय कन्या महाविद्यालय चीका में शनिवार को दो दिवसीय चौथी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। इस दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने कुल 11 प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। महाविद्यालय की बीए अंतिम वर्ष की छात्रा सुखप्रीत ने सबसे ज्यादा अंक हासिल करते हुए बेस्ट एथलीट का खिताब जीता। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. जितेन्द्र मोर ने खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत की घोषणा की और छात्राओं को पूरी खेल भावना से प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को हार से घबराना नहीं चाहिए बल्कि हार की समीक्षा करते हुए अपनी कमजोरियों का विश्लेषण करते हुए भविष्य में बेहतर परफॉरमेंस पर ध्यान देना चाहिए। अपने खेल में लगातार सुधार करते रहने वाले खिलाड़ी ही जीवन में बेहतर मुकाम हासिल करते हैं। खेलकूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए उन्होंने महाविद्यालय की खेलकूद गतिविधियों के प्रभारी डा. जसकरण व उनकी पूरी टीम को बधाई दी। महाविद्यालय के गणित विभाग के प्राध्यापक लक्की शर्मा ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार प्रकट किया।





गुहला चीका। खेलों में दमखम दिखाती राजकीय कालेज चीका की छात्राएं।

विजेताओं को दी बधाई

पुरस्कार वितरण समारोह में डीएवी कालेज चीका के प्राचार्य डॉ. जसबीर सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार बांटे और सभी को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेलों में हिस्सा लेने से संपूर्ण व्यक्तित्व विकास होता है। डॉ. जसबीर सिंह ने कहा कि खेलों में हिस्सा लेने से निर्णय लेने की क्षमता एवं नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि देश की बेटियां खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और हम सभी को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह का मंच संचालन डॉ फूलकुमार ने किया।

खेलकूद प्रतियोगिता का परिणाम

100 मीटर रेस में सुखप्रीत ने पहला स्थान, माफी ने दूसरा स्थान और सृष्टि ने तीसरा स्थान हासिल किया। 200 मीटर रेस में सुखप्रीत ने पहला स्थान, मंदीप कौर ने दूसरा और सृष्टि ने तीसरा स्थान हासिल किया। लंबी कूद प्रतियोगिता में सुखप्रीत ने पहला स्थान, माफी ने दूसरा और मंदीप कैार ने तीसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में रेहाना बेगम पहले स्थान पर, स्नेहा दूसरे व कमला देवी तीसरे स्थान पर रही। 800 मीटर रेस में प्रिया ने पहला स्थान, माफी ने दूसरा और नेहा ने तीसरा स्थान हासिल किया। डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में रेहाना बेगम ने पहला स्थान, अमनदीप ने दूसरा और स्नेहा ने तीसरा स्थान हासिल किया। शॉट पुट प्रतियोगिता में रेहाना बेगम पहले स्थान पर, बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा स्नेहा दूसरे व बीए प्रथम वर्ष की छात्र स्नेहा तीसरे स्थान पर रही। रिले रेस में सुखप्रीत, माफी, स्नेहा और रेहाना बेगम की टीम ने पहला स्थान, प्रीति, मंजू, महकदीप कौर व कोमल की टीम ने दूसरा स्थान और राजदीप कौर, कोमल, तनमप्रीत कौर व श्रुति की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया।



कलायत। प्राचीन कपिल मुनि सरोवर तट पर घाटों के कायाकल्प का कार्य जारी।

गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों से निखरेगा कपिल मुनि तीर्थ का स्वरूप

- प्रदेश भर में रहेगी गीता जयंती महोत्सव की धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर पर 5 से 25 दिसंबर तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महा उत्सव को लेकर कलायत के प्राचीन कपिल मुनि तीर्थ पर भी तैयारियां बड़े स्तर पर शुरू हो गई हैं। तीर्थ परिसर को आकर्षक स्वरूप देने के लिए सरोवर तट पर स्थित मंदिरों की श्रृंखला पर रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। सरोवर के घाटों की सफाई और व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी विशेष फोक्स है। कपिल मुनि तीर्थ कमेटी द्वारा सभी वर्गों के तालमेल कायम करते हुए निर्धारित रूपरेखा के अनुसार तीर्थ परिसर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस प्राचीन स्थल पर श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिरों और घाटों को नया स्वरूप देने की दिशा में काम चल रहा है। गीता जयंती महोत्सव के दौरान तीर्थ पर धार्मिक गतिविधियों और श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना भी प्राथमिकता में शामिल है। कपिल मुनि तीर्थ कमेटी प्रधान राजू कौशिक, हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन प्रांतीय कोषाध्यक्ष संजय सिंगला, पार्षद रवींद्र निर्मल बंटी व कोषाध्यक्ष मुकेश पाराशर ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन से तीर्थ परिसर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में विशेष सहयोग देने की अपील की है।

सौंदर्यीकरण पर ध्यान दें

कपिल मुनि तीर्थ कमेटी कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव को लेकर दुनिया भर से आने वाले मेहमानों को सुविधा प्रदान करने के लिए अलग से सीएम नायब सिंह सैनी को पत्र लिखने का निर्णय लिया है। इसमें मुख्य रूप से लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाले पेहवा से कुरुक्षेत्र मार्ग पर सफाई एवं सौंदर्यकरण कार्य को पूरा करने की मांग की है। इस मार्ग पर चौक, डिवाइडर, सांकेतक व लाइटों की सुध लेने की व्यापक स्तर पर जरूरत है। इसके अलावा कुरुक्षेत्र से संबंधित मार्गों को बेहतरीन ढंग से सुविधाजनक रूप देने का आग्रह किया गया है। ताकि देश-दुनियां से आने वाले लोगों का विकास एवं सांस्कृतिक धरोहरों की खास झलक दिखाई जा सके।

बॉक्सिंग कौशल का प्रदर्शन किया

- बाबा बिशनपुरी बॉक्सिंग अकादमी में मैत्री बॉक्सिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

बाबा बिशनपुरी बॉक्सिंग अकादमी भाना में एक दिवसीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अकादमी के करीब 55 से 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के बीच मैत्री मुकाबले करवाए गए, जिसमें उन्होंने अपनी खेल प्रतिभा और बॉक्सिंग कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

सभी खिलाड़ी कोच देवेंद्र ढुल की देखरेख में अभ्यास कर रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन द फ्यूल सप्लीमेंट पंडरी के संचालक मयंक व कनिष्क चौधरी द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों के मुकाबले ध्यानपूर्वक देखे और उनके प्रदर्शन की सराहना की। खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना के साथ मुकाबले किए।



राजौंद। खिलाड़ियों को खेल सामग्री वितरित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

विजेताओं को किया सम्मानित

प्रतियोगिता के बाद मयंक व कनिष्क चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें शेकर, जिम बैग, पीनट बटर और ओट्स के डिब्बे वितरित किए। इस अवसर पर कोच देवेंद्र ढुल, रमेश पाई, प्रदीप पाई सहित सभी बॉक्सिंग खिलाड़ियों ने आयोजकों का आभार जताया।

डीएवी कॉलेज में पुस्तक प्रदर्शनी लगाई

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

डीएवी कालेज में महात्मा आनंद स्वामी के जन्मदिवस से पुण्यतिथि तक प्रेरणा सप्ताह के अंतर्गत शनिवार को 'आनंद पर्व' मनाया गया। इस अवसर पर वैदिक परंपरा के अनुरूप प्रभात फेरी, अग्निहोत्र, वैदिक विचारधारा पर आधारित संगोष्ठी तथा पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महात्मा आनंद स्वामी के जीवन, विचारों और शिक्षाओं से प्रेरित करना रहा। यज्ञ के पश्चात महाविद्यालय के सभागार में संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वैदिक प्रार्थना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. आनंद सिंह आर्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते आर्य समाज के सिद्धांतों तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने ईश्वर, जीव और प्रकृति के सिद्धांतों को सरल शब्दों में समझाते विद्यार्थियों को वैदिक दर्शन की मूल अवधारणाओं से परिचित करवाया।



पूंडरी। कार्यक्रम में छात्राओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। *फोटो: हरिभूमि*

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशामुक्ति का दिया संदेश

उन्होंने संस्कृत, संस्कार और संस्कृति को जीवन में अपनाने तथा अपने चरित्र को सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस कैडेट्स ने 'नो नशा, नेशन' मुहिम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशामुक्ति का संदेश दिया। छात्राओं ऋतु, हरप्रीत कौर एवं खुशबू ने क्रमशः महर्षि दयानंद सरस्वती, स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती तथा डीएवी के संस्थापक महात्मा हंसराज के जीवन और योगदान पर विचार प्रस्तुत किए। पुस्तक प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य एवं महापुरुषों के विचारों से परिचित होने का अवसर मिला।

आभार जताया

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश तुरान ने यजमान की भूमिका निभाई, जबकि यज्ञ-ब्रह्मा के रूप में आर्य केंद्रीय सभा, करनाल के प्रधान प्रो. आनंद सिंह आर्य उपस्थित रहे। यज्ञ के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने आहुतियां अर्पित कर महात्मा आनंद स्वामी को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। प्राचार्य डॉ. राजेश तुरान ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महात्मा आनंद स्वामी के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर विद्यार्थियों को नैतिकता, अनुशासन और सेवा भाव को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।



32 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग लगवाए

कैथल। समाजसेवा एवं मानवता के प्रति समर्पण की भावना को साकार करते हुए इनर व्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट 308 की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन किरण जैन एवं क्लब के अन्य सदस्यों ने दया गुप्ता मानव मंदिर ,नारायण सेवा केंद्र, कैथल में एक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। अवसर पर नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में 32 दिव्यांग बंधुओं को कृत्रिम अंग लगवाए गए, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में अधिक आत्मनिर्भर बनने तथा सामान्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने में सहायता मिलेगी। इनर व्हील क्लब की जोन 8 काउंसलर गुरप्रीत कौर ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना, उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना तथा समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कृत्रिम अंग प्राप्त करने वाले दिव्यांग बंधुओं के लिए यह पहल उनके जीवन में नई उम्मीद और आत्मविश्वास का संचार करने वाली रही। इनर व्हील क्लब की कैथल, करनाल, अंबाला, शाहबाद ,पेहोवा, चीका एवं अन्य शाखाओं से आए सदस्यों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

खुशी-यशिका ने लगाई सबसे अच्छी मेहंदी

- महिला प्रकोष्ठ द्वारा करवाया गया करवाफेस्ट-2026

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

आरकेएसडी कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ द्वारा *करवाफेस्ट-2026* का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को प्रोत्साहित करना तथा छात्राओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक कौशल और सांस्कृतिक अभिरुचि प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना था। प्रधान प्रबंधक समिति श्री अश्विनी शोरेवाले ने महिला प्रकोष्ठ के इस आयोजन की सराहना की एवं करवा चौथ के पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। प्राचार्य डॉ. उपस्थित छात्राओं को सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।



कैथल। अव्वल रही छात्राओं को सम्मानित करती पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन

कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं-मेहंदी प्रतियोगिता, करवा सजावट , थाली सजावट तथा चूड़ी सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। मेहंदी के आकर्षक डिजाइनों तथा करवा, थाली और चूड़ियों की मनमोहक सजावट ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थानः खुशी और यशिका, द्वितीय स्थानः मोनिका और डिंपल, तृतीय स्थान पाया।



डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में हुई क्रिकेट प्रतियोगिता

कैथल। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, कैथल में पुलिस स्मृति दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, सहयोग तथा राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अंतर्सदनीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता का आरंभ मुख्यातिथि के रूप में डीएसपी कैथल सुशील प्रकाश तथा विद्यालय प्राचार्या अंजु गंभीर की गरिमामयी उपस्थिति में हुई। प्राचार्या महोदया ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा उन्होंने पुलिस विभाग की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस का राष्ट्रनिर्माण और राष्ट्रीय अखंडता में पूर्ण योगदान होता है। उनकी कर्तव्यपरायणता अद्वितीय है। वे अपने समर्पण भाव से सम्पूर्ण राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोए रखते हैं। इसके उपरांत प्रतियोगिता में चारों सदनों सेवा,संकल्प, सद्भावना और समर्पण के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा, टीम भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

कार्यक्रम | 36 बिरादरी के गणमान्य लोगों ने धार्मिक यात्रा का पुरजोर अभिनंदन किया

भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में कलायत उपमंडल में पहुंची धार्मिक यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

भगवान वाल्मीकि पावन प्रकट दिवस उपलक्ष्य में दो दिवसीय जागरण यात्रा शनिवार सांख्य दर्शन प्रवर्तक भगवान कपिल मुनि की धरा पर पहुंची। कपिल मुनि राजकीय महिला कालेज के पास स्थित महर्षि वाल्मीकि चौक पर वार्ड 12 पार्षद अमित वाल्मीकि की अध्यक्षता में 36 बिरादरी के गणमान्य लोगों ने धार्मिक यात्रा का पुरजोर अभिनंदन किया। स्वागत कमेटी में विभिन्न वार्डों के पार्षद, समाज सेवी संगठन, नगर पालिका सफाई कर्मचारी संघ नेता-कार्यकर्ता व आम नागरिक शामिल रहे। पार्षद अमित वाल्मीकि ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जिला कैथल की धरती से इतिहास जुड़ा है। इस सोच को लेकर कैथल जिला में दो दिवसीय भव्य जागरण यात्रा का आयोजन का निर्णय लिया गया। यात्रा के माध्यम से भगवान वाल्मीकि की महिमा का गुणगान किया जा रहा है। राजौंद से शुरू होकर सीवन तक पहुंचने वाली यह यात्रा विभिन्न गांवों और कस्बों से होकर गुजरेगी। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।



कलायत। महर्षि वाल्मीकि चौक पर धार्मिक यात्रा का स्वागत करते गणमान्य लोग।

ये रहे मौजूद

पार्षद कुमारी रेणू धानियां, हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन प्रांतीय कोषाध्यक्ष संजय सिंगला, प्रीत जगदेव, प्रदीप राणा, महीपाल पंवार, विनोद जेष्ठ, रवींद्र निर्मल बंटी, प्रवीण कांसल और दूसरे पार्षदों ने कहा कि भगवान वाल्मीकि को भारतीय संस्कृति और रामायण परंपरा में विशेष स्थान प्राप्त है। उनके द्वारा लिखी गई रामायण युगों-युगों तक संपूर्ण मानव जाति का मार्ग दर्शन करती रहेगी। रामायाण मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देती है। वाल्मीकि प्रकट दिवस के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम उनकी शिक्षाओं, सामाजिक मे लजोल और सदाचार के संदेश को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर हैं।

सदस्यता बढ़ाने पर किया मंथन

- सामाजिक चिकित्सक महासंघ की जिला कमेटी की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

सामाजिक चिकित्सक महासंघ जिला कमेटी की बैठक डॉ. राजन गुप्ता के निवास पर आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन में आपसी तालमेल बढ़ाने, सदस्यता का विस्तार करने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर चर्चा करना रहा। बैठक में प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारियों ने संगठन की आगामी गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक में इंडियन मेडिकल प्रैक्टिशनर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष सैनी मुख्य रूप से पहुंचे। उन्होंने कहा कि एकता में रहकर संगठन और समाज के लिए बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है।



राजौंद। सामाजिक चिकित्सक महासंघ की बैठक में मौजूद पदाधिकारी एवं सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया

जिला अध्यक्ष डॉ. तेजपाल खटकड़ ने बाहर से पहुंचे सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जिला कमेटी के सभी साथी मिलकर संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे और सदस्यता बढ़ाने के साथ संगठन की गतिविधियों को भी आगे बढ़ाया जाएगा।बैठक के दौरान राज्य कमेटी में शामिल किए गए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. तेजबीर मलिक, डॉ. पवन रोहेड़ा, सिवन ब्लॉक से डॉ. राजन गुप्ता और डॉ. राजेंद्र शर्मा शामिल रहे।

खबर संक्षेप

जींद में आज सजेगी महारास और गरबा की रंगारंग महफिल

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज जिला जींद की महिला विंग की ओर से 25 अक्टूबर को विद्यापीठ मार्ग स्थित एसडी स्कूल की नई बिल्डिंग में भव्य महारास एवं गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। अग्रवाल समाज जींद महिला विंग की प्रधान पुष्पा अग्रवाल ने बताया कि शाम पांच बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के साथ संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। गायक सुरेंद्र रोमियो अपनी शानदार गायकी से कार्यक्रम में चार चांद लगाएंगे।

हरियाणा टैलेंट सर्च परीक्षा का शेड्यूल जारी

जींद। विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानने और उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली हरियाणा टैलेंट सर्च परीक्षा 2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। हरियाणा नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से आयोजित इस राज्यस्तरीय परीक्षा के लिए पांचवीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थी 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। परीक्षा के पहले चरण का आयोजन 16 से 18 नवंबर तक ऑनलाइन माध्यम से होगा। जबकि इसका परिणाम 20 नवंबर को घोषित किया जाएगा। अध्यक्ष राजकुमार भोला ने बताया कि हरियाणा टैलेंट सर्च परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमताओं को पहचानना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उनमें तार्किक सोच पैदा करना है।

नागरिक अस्पताल में सुविधा के लिए दीवार तोड़कर पीछे खोला रास्ता

पुराने एसएनसीयू भवन में लगेगी एमआरआइ मशीन

एक महीने तक हो जाएगा काम पूराए मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद



जींद। नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में एमआरआई मशीन लगाने को लेकर तोड़ी गई दीवार। *फोटो : हरिभूमि*

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में लोगों को जल्द ही एमआरआइ की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। एमआरआइ मशीन स्थापित करने के लिए अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में जहां पहले एसएनसीयू था, वहां पर यह मशीन लगाई जाएगी। इसके लिए पीछे से दीवार तोड़ कर प्रवेश द्वार बनाया जा रहा है।

इसका लाभ यह होगा कि सीटी स्कैन, एक्सरे व एमआरआइ विभाग पास-पास होंगे। उम्मीद है कि आगामी एक महीने बाद जिले के मरीजों को एमआरआइ की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। अभी तक मरीजों को एमआरआइ के लिए मेडिकल कालेज खानपुर, मेडिकल कालेज अग्रोहा या पीजीआई रोहतक रेफर किया जाता था। अब एमआरआइ की सुविधा अस्पताल में ही उपलब्ध होने से जिले के मरीजों का समय और धन दोनों की बचत होगी। नागरिक अस्पताल में सिटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध है। एमआरआइ की काफी समय से डिमांड की जा रही थी। मरीजों के लिए एमआरआइ की सुविधा की यहां बहुत समय से जरूरत महसूस हो रही थी। एमआरआइ की सुविधा नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब स्वास्थ्य विभाग द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) में यह सुविधा मिलेगी। नागरिक अस्पताल में औसतन प्रतिदिन 1800 से अधिक मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। इनमें कई मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें बीमारी की सही पहचान और आगे के इलाज के लिए एमआरआई जांच करवाने की सलाह दी जाती है। अभी नागरिक अस्पताल में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को रोहतक पीजीआई या मेडिकल कालेज खानपुर रेफर करना पड़ता है। ऐसे में मरीजों व उनके परिजनों को जांच के लिए दूसरे शहरों तक जाने, आने-जाने का खर्च उठाने और इलाज में देरी जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अस्पताल में ही यह सुविधा शुरू होने से मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

नई बिल्डिंग में शिफ्ट हुआ एसएनसीयू

नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में एसएनसीयू अब नई बिल्डिंग में शिफ्ट हो चुका है। ऐसे में जो एसएनसीयू की पुरानी बिल्डिंग है, उसमें एमआरआर मशीन लगाई जाएगी। एमआरआइ के लिए कम से कम तीन कमरों की जरूरत थी, ऐसे में यहां पर कमरों की व्यवस्था हो गई है। इसके बाद अब मशीन स्थापित करने के लिए सिविल कार्य शुरू कर दिया है। इसका मुख्य दरवाजा अस्पताल की नई बिल्डिंग की तरफ खोला गया है। इससे मरीजों को दूर से घूमकर नहीं आना पड़ेगा बल्कि नागरिक अस्पताल की नई बिल्डिंग से सीधा रास्ता मिल जाएगा।

बोले अधिकारी

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि एमआरआइ की सुविधा पीपीपी मोड में रहेगी। इससे मरीजों को कम रेट पर ही एमआरआइ की सुविधा मिलेगी। इससे मरीजों को काफी लाभ होगा। उम्मीद है कि एक महीने में एमआरआइ को लेकर सिविल वर्क का कार्य पूरा हो जाएगा और मरीजों को एमआरआइ की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में एमआरआइ मशीन स्थापित करने के लिए काम शुरू हो चुका है।

तीन दिवसीय खेल उत्सव में दशमेश स्कूल रहा प्रथम

- एचएसजीपीएस कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल



कैथल। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो:हरिभूमि*

गुरु तेग बहादुर खालसा पब्लिक स्कूल, कैथल में आयोजित तीन दिवसीय खेल उत्सव का आज समापन हो गया। समापन समारोह में हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, हैफेड के पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत, नगर परिषद कैथल की अध्यक्ष सुरभि गर्ग सहित कमेटी के सभी सदस्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। खेल उत्सव के परिणामों में दशमेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कपालमोचन, यमुनानगर ने प्रथम स्थान हासिल किया। संत मोहन सिंह मतवाला पब्लिक स्कूल, तिलोकेवाला, सिरसा दूसरे स्थान पर रहा, जबकि मेजबान गुरु तेग बहादुर खालसा पब्लिक स्कूल, कैथल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि जगदीश सिंह झींडा ने विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अग्रोहा धाम मेले में जींद से जाएंगी बसें

जींद। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर को अग्रोहा धाम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय मेले को लेकर जींद जिले के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सैंकड़ों श्रद्धालु अग्रोहा धाम पहुंच कर धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जींद जिले से कई बसों की व्यवस्था भी की गई है। अग्रोहा धाम के प्रदेश प्रवक्ता डा. राजकुमार गोयल ने बताया कि जींद से आईडी गोयल, रामबिलास मित्तल, मयंक गर्ग, सावर गर्ग, दीपक गोयल, नीरज गोयलए अशोक गोयल इत्यादि पदाधिकारी अग्रोहा धाम मेले की तैयारियों में लगे हैं।

न्यूज डायरी



मिलावट करने वालों की यूनियन करेगी शिकायत

पूंडरी। हलवाई यूनियन पूंडरी की बैठक रजत स्वीट हाउस में एसोसिएशन के प्रधान कृष्ण सैनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में दीपावली के अवसर पर मिठाइयों में मिलावट रोकने को लेकर गंभीर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मिठाइयों में मिलावट करने वाले दुकानदारों के खिलाफ यूनियन स्वयं शिकायत करेगी। सभी सदस्यों ने इस निर्णय का स्वागत किया। प्रधान कृष्ण सैनी ने कहा कि कस्बे में अब तक मिलावट का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एक व्यक्ति की गलती से सभी दुकानदारों की छवि खराब होती है। उन्होंने बताया कि दीपावली के दौरान मिठाइयां बेचने के लिए कई नए लोग भी दुकानें लगा लेते हैं। बैठक में सख्त हिदायत दी गई कि मिलावटी खोया या पनीर से बनी मिठाइयां बेचने वाले हलवाइयों के खिलाफ यूनियन कार्रवाई करेगी। उन्होंने हलवाइयों से मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाली प्रत्येक सामग्री की गुणवत्ता जांचने और केवल कंपनी की प्रमाणित सामग्री का प्रयोग करने की अपील की। साथ ही, दुकानों पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में उपप्रधान देव मिगलानी, सचिव ओमप्रकाश, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार, सौरभ वालिया, तरुण गिरधर, सुभाष सैनी, हिशम सिंह, महावीर सैनी, सुभाष (काला) सैनी और रिंकू सैनी मौजूद रहे।

अग्रोहा धाम में आज लगेगा ऐतिहासिक मेला, धार्मिक आस्था और भारतीय संस्कृति का दिखेगा भव्य संगम



कैथल। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर को अग्रोहा धाम में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय वार्षिक मेला धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और भारतीय संस्कृति का भव्य संगम बनेगा। मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 700 से अधिक सेवादारों की ड्यूटी लगाई गई है। अग्रोहा धाम के प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रमुख समाजसेवी डॉ. राजकुमार गोयल ने बताया कि अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय मेले में धार्मिक अनुष्ठानों, विशाल महासम्मेलन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भंडारे सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मेले में वैश्य समाज के प्रतिनिधियों, व्यापारियों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता, जगतगुरु ब्रह्मर्षि कुमार स्वामी, अग्रोहा धाम के संरक्षक एवं पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, पंजाब के कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र गोयल तथा प्रमुख उद्योगपति एवं विधायक सावित्री जिंदल सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों के पहुंचने की संभावना है। प्रसिद्ध कलाकार मासूम शर्मा और भजन गायिका अंजलि द्विवेदी की प्रस्तुतियां भी मेले का विशेष आकर्षण रहेंगी। गोयल ने बताया कि मेले के दौरान श्रद्धालु शक्ति सरोवर में स्नान करने के साथ विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना और आरती में भाग लेंगे। कलश यात्रा, माता महालक्ष्मी का छप्पन भोग, ध्वजारोहण और विशाल भंडारे सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।



उचाना। मांगों को लेकर नारेबाजी करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

कांग्रेसियों ने वोट चोरी के विरोध में पुतला फूंका

उचाना। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कपास मंडी स्थित किसान सेवा केंद्र से पैदल मार्च निकाल उचाना तहसील कार्यालय तक प्रदर्शन किया और पीएम, गृहमंत्री व मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंक कर रोष जताया। प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हिसार पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि अब यह बात सबके सामने आ चुकी है कि लगातार भाजपा इस तरह के हथकंडे अपना कर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। राहुल गांधी लगातार तीन सालों से वोट चोरी के मुद्दे को लेकर सभी को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। यह सबके सामने है कि एक पूरी प्रक्रिया के तहत सरकार को फायदा पहुंचाने के लिए एसआइआर प्रक्रिया कार्रवाई की जा रही है। आगामी एक नवंबर को इंडिया गठबंधन की जनसभा दिल्ली के रामलीला के मैदान में की जाएगी और उसी श्रेणी में प्रदेश में इसे तरह के प्रदर्शन लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। गुडगांव वाले हिस्से का अगर निजीकरण कर दिया जाता तो अन्य जिलों में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाती। उन्होंने कहा कि मेरी प्रदेश की जनता से अपील है कि अपनी आंखें खोल कर देख लें, अपने निजी स्वार्थ, जात-पात या इलाके की बात छोड़कर जो दुर्दशा सरकार हमारे प्रदेश की बनाने जा रही है उस पर गौर करें।

केएम राजकीय कॉलेज नरवाना में क्विज प्रतियोगिता में छाए विद्यार्थी



नरवाना। प्रतियोगिता में भाग लेते विधार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

नरवाना। केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में वाणिज्य विभाग द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उषा शर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ मीनू सिंह ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को अपने कैरियर निर्माण के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में ममता, आस्था, नितिन व अमरजीत की टीम ने प्रथम स्थान, मोनू, गौरव, भावना और पंकज की टीम ने द्वितीय तथा साहिल, पंकित, दृष्टि व नेहा की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । मंच संचालन प्रोफेसर राममेहर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ सुनील, परमिंदर , शिवानी, स्वीटी श्योकंद, सोनल, रेनू बाला ,प्रीति, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बदलता मौसम पड़ सकता है स्वास्थ्य पर भारी : डा. संदीप

- मौसम में बदलाव से सुबह-शाम बढ़ी ठंड, बच्चों को लेकर अभिभावक सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद



मौसम में धीरे-धीरे बदलाव होने के साथ अब लोगों को सुबह और शाम के समय हल्की ठंड महसूस होने लगी है। हालांकि दिन के समय अभी गर्मी का असर बना हुआ है, लेकिन सुबह और शाम तापमान में गिरावट के कारण ठंडक महसूस हो रही है। दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ने के कारण लोग बच्चों और बुजुर्गों को लेकर सावधानी बरत रहे हैं।छोटे बच्चों के अभिभावक उन्हें सुबह और शाम हल्के गर्म कपड़े पहनाकर रख रहे हैं। रात के समय भी ठंडक बढ़ने के कारण बच्चों को ठंडी हवा से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभी कड़ाके की ठंड शुरू नहीं हुई है, लेकिन मौसम में बदलाव साफ महसूस होने लगा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एसएमओ डॉ. संदीप सिंह ने बदलते मौसम को लेकर लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दिन में गर्मी और सुबह-शाम ठंड होने के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव रहता है। ऐसे मौसम में विशेषकर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी वाले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुबह और शाम ठंडी हवा से बचाकर रखें और मौसम के अनुसार ही कपड़े पहनाएं। रात में सोते समय भी बच्चों को पर्याप्त गर्म कपड़े और बिस्तर उपलब्ध करवाएं।

हिंदू कन्या कालेज में हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- 12 तकनीकी सत्रों में शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद



जींद। कार्यक्रम में मौजूद हिंदू कन्या कालेज प्राचार्या और अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुसंधान, नवाचार, सतत विकास और उद्यमिता वर्तमान समय में विकास की नई संभावनाएं खोल रहे हैं। इन क्षेत्रों में हो रहे बदलावों को समझने और शोध को नई दिशा देने के उद्देश्य से शनिवार को राजकीय महाविद्यालय अलेवा और हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन आयोजित किया गया। राजकीय महाविद्यालय अलेवा के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और हिंदू कन्या महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित सम्मेलन में देश व विदेश के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में 12 तकनीकी सत्रों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का शुभारंभ चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन के संयोजक एवं महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक डा. गौरव बंसल ने सम्मेलन के उद्देश्योंए मुख्य विषयों और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती उपयोगिता, अनुसंधान और नवाचार में इसकी भूमिका तथा भविष्य के विकास में इसकी संभावनाओं पर जानकारी दी। सम्मेलन में वक्ताओं ने प्रतिभागियों को अनुसंधान की नवीन दिशाओं, तकनीकी विकास और नवाचार से जुड़ी संभावनाओं की जानकारी दी।

अनुसंधान की भूमिका बताई

सम्मेलन के समापन सत्र में कनाडा के टोरंटो स्थित माइक्रोसेज इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च के निदेशक डॉ॰ मिर्जा इब्राहिमी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और अनुसंधान एवं नवाचार में इसकी भूमिका पर विचार रखे। हिंदू कन्या महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की अध्यक्ष एवं सम्मेलन संयोजिका डा. उपासना गर्ग ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।



कैथल। आगजनी से जला सामान फोटो:हरिभूमि

कैथल में आग लगने से जला आशियाना

कैथल। कैथल जिले की अमरगढ़ गामड़ी में एक बंद दुकान में शॉर्ट सर्किट होने से अचानक आग लग गई। आगजनी की घटना में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। दुकान के अंदर ई रिक्शा भी खड़ी थी, वह भी जल गई। घटना शनिवार की अल सुबह हुई। लोगों ने आग की सूचना फायर ब्रिगेड विभाग के अधिकारियों को दी। फायर ब्रिगेड की टीम दो गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ये दुकान गांव नंदकरण माजरा के रहने वाले रणधीर सिंह की है, जो कैथल में दुकान किए हुए हैं। दुकान में फल फ्रूट बेचने के लिए तीन रेहड़ियां भी खड़ी कर रखी थी, वे भी जल गई और उन पर रखे फल भी आग की भेंट चढ़ गए। राहगीरों ने आग की सूचना दुकान के मालिक को दी, मालिक भी मौके पर पहुंच गया। मालिक रणधीर ने बताया कि उसके पास पड़ौसी दुकानदारों का कॉल आया था कि दुकान में आग लग गई है। पड़ोसियों ने ताला तोड़कर फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग बुझवाई। उन्होंने बताया कि दुकान में काफी संख्या में सेब की पेटियां रखी हुई थीं। रेहड़ियों में भी सेब लदे हुए थे और दुकान में बारदाना व कंडे भी रखे हुए थे। ये सब सामान जल गया। एक कूलर और ई रिक्शा भी अंदर थे, जो जल गए।

राजकीय प्राइमरी स्कूल खरकड़ा में स्कूटी के पास सोया मिला अध्यापक



जींद। सफीदों खंड के गांव खरकड़ा के राजकीय प्राइमरी स्कूल में एक शिक्षक स्कूटी के पास सोया हुआ नजर आया। ग्रामीणों के अनुसार अध्यापक ने शराब पी हुई थी। वह अपनी स्कूटी भी नही संभाल पा रहा था। बाकायदा स्कूल की समय से पहले 11:30 बजे ही छुट्टी करके बच्चों को स्कूल से भगा दिया गया। उधर शिक्षा विभाग के अधिकारी हार्ट की दवाइयों की वजह से उसे चक्कर आने की बात कह रहे हैं। गांव खरकड़ा के सरपंच सरदार निरवैल सिंह ने इस मामले पर कड़ा रोष जताते हुए कहा कि अध्यापक स्कूल से निकलते समय कई बार स्कूल के मुख्य द्वार पर स्कूटी से गिरा। जिसकी वीडियो ग्रामीणों ने फोन में बनाई और उसे वायरल कर दिया। उन्होंने बताया कि स्कूल में पहले आठ विद्यार्थी होते थे लेकिन एक दूसरी अध्यापिका आने के बाद स्कूल में इस वर्ष 18 विद्यार्थी हैं लेकिन आज तैनात अध्यापक के शराब पीकर स्कूल पहुंचने की बात सामने आ रही है। जिसमें निर्धारित समय से पहले ही स्कूल की छुट्टी कर दी। सरकारी स्कूल में इस तरह की लापरवाही बेहद शर्मनाक है। उन्होंने प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग करते हैं कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा की संबंधित अध्यापक के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जो दूसरों के लिए भी सबक बने।

चंद्रमा की पूर्ण की रात्रि शरद पूर्णिमा : रवि दत्त



पूंडरी। प्रसिद्ध धर्माचार्य पंडित रवि दत्त शास्त्री ने बताया कि योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा असंख्य गोपिकाओं के मध्य शरद पूर्णिमा के इस पावन दिवस में माँ यमुना के निर्मल तीर पर श्रीधाम वृंदावन में /"महारास/" रचाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण स्वयं पूर्ण ब्रह्म हैं तो असंख्य गोपियाँ वो साधक हैं जिन्होंने अपने सर्वस्व का त्याग कर केवल उस पूर्ण ब्रह्म का वरण किया है। शास्त्रों में कहा गया है कि /"रसो वै सः/" अर्थात परमात्मा रसस्वरूप हैं अथवा जो रस तत्व है, वही परमात्मा है। श्रीकृष्ण द्वारा उसी आनंद रूप रस का गोपिकाओं के मध्य वितरण ही तो /"रास/" है। जीवन के अन्य सभी सांसारिक रसों का त्याग कर जीव द्वारा ब्रह्म के साथ ब्रह्मानन्द के आस्वादन का सौभाग्य ही /"महारास/" है। काम तभी तक जीव को सताता है जब तक जीव जगत में रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295154800, 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

2666 आवेदन मिले, 24 सितंबर से शुरू हुई थी प्रक्रिया

राष्ट्रीय साधन सह पात्रता छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन का समय पूरा

परीक्षा का आयोजन 29 नवंबर को किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

राष्ट्रीय साधन सह पात्रता छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन का समय पूरा हो चुका है। निर्धारित समय अवधि तक 2666 आवेदन आए हैं। 24 सितंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई थी। हालांकि जींद जिले में 3200 आवेदन का लक्ष्य रखा गया था। अब परीक्षा 29 नवंबर को होगी। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी को नौवीं से 12वीं कक्षा तक चार साल हर महीने एक हजार रुपये छात्रवृत्ति के रूप में मिलेंगे। इस परीक्षा में बैठने के लिए विद्यार्थी राज्य के सरकारी व अनुदान प्राप्त विद्यालयों में कक्षा आठवीं में पढ़ रहे हो। उन्होंने सातवीं कक्षा किसी सरकारी या अनुदान प्राप्त विद्यालय से पिछले सत्र में पास की हो। परीक्षार्थी के माता-पिता की सभी खाते से कुल वार्षिक आय तीन लाख 50 हजार से कम हो। इस परीक्षा में जिला स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को जिले के कोटे के अनुसार छात्रवृत्ति दी जाएगी।

परीक्षा में बीसीए वर्ग को 16 प्रतिशत, बीसी बी वर्ग को 11 प्रतिशत, एससी वर्ग को 20 प्रतिशत व दिव्यांग वर्ग को तीन प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। आरक्षित वर्ग से आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण.पत्र की छायाप्रति आनलाइन आवेदन के साथ ही अपलोड करनी होगी।

परीक्षा के होंगे दो भाग



विद्यार्थी का नाम व जन्म तिथि आधार कार्ड के रिकार्ड अनुसार व आरक्षित श्रेणी प्रमाण पत्र में दी गई जानकारी विद्यालय रिकार्ड के अनुसार ही हो। राष्ट्रीय साधन सह पात्रता छात्रवृत्ति योजना शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही हैए जिसका उद्देश्य सरकारी या अनुदान प्राप्त विद्यालयों में पढने वाले प्रतिभाशाली बच्चों का चयन कर उनका शैक्षिक विकास करना है। इस योजना के तहत प्रदेश में 2337 पात्र विद्यार्थियों का चयन किया जाता है।जिला गणित विशेषज्ञ आनंद सहारण ने कहा कि राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना के लिए एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसके दो भाग होंगे। पहला भाग मानसिक योग्यता परीक्षण के आधार पर होगा। इसमें विद्यार्थियों की मानसिक योग्यता (तर्क, विश्लेषण व संश्लेषण) द्ध को जांचने के लिए बहु विकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 90 प्रश्न होंगे जो कि प्रत्येक एक-एक अंक का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। दूसरा भाग बौद्धिक योग्यता परीक्षण के आधार पर होगा। इस भाग भी 90 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें विज्ञान के 35 प्रश्न, गणित के 20 व सामाजिक विज्ञान के 35 प्रश्न शामिल होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे।

नागरिक अस्पताल में यौन उत्पीडन रोकथाम कमेटी गठित

जींद। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन की रोकथाम के लिए प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट (पीओएसएच) कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में शामिल सदस्यों के नाम और पद की जानकारी अस्पताल परिसर में जगह-जगह बैनर लगा कर सार्वजनिक की गई है। नागरिक अस्पताल में लगाए गए बैनर पर कमेटी के सदस्यों के नाम, पद और मोबाइल नंबर भी अंकित किए गए हैं ताकि जरूरत पडने पर संबंधित कर्मचारी कमेटी के सदस्यों से संपर्क कर सकें। अस्पताल में बड़ी संख्या में चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, अन्य महिला कर्मचारी कार्यरत हैं।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 अक्टूबर 2026

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।

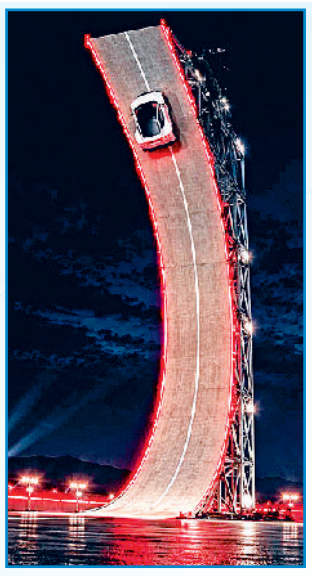



क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंगलुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। *



कई देशों में हो रहे प्रयास

भले आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?

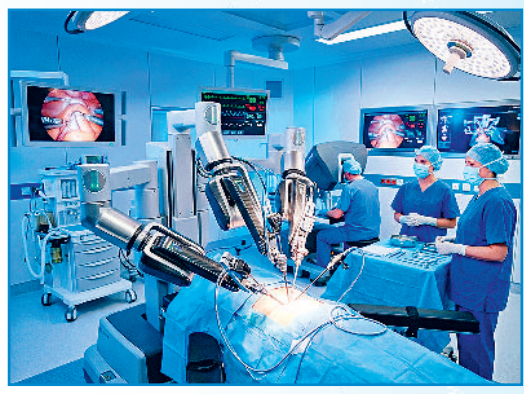

{ टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह }

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी: अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन: इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें श्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग: रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी: इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

सवाल भी है बरकरार: रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। *



{ दोहे / केदार शर्मा }

पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



{ पुस्तक अंश / सूर्यबाला }

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर अपना एकनिष्ठ वर्चस्व चाहने वाली उसके जीवन की दो अतिप्रिय स्त्रियों के क्लेश हैं क्योंकि वह दोनों का प्रिय है दोनों स्त्रियां उस पर अपना पूरा आधिपत्य चाहती हैं। पहली ने जिस बच्चे को जन्म दिया, शिशुपन से उसके सारे दुःख-सुख की साक्षी रही, एक ही रात में उस मां को एक-दूसरी युवती स्त्री द्वारा उसके पद से अपदस्थ कर दिया जाता है। (अनजाने ही सही) लेकिन बचपन से युवा होने तक जिसकी नींद सोयी, जिसकी नींद उठी, ऐसी मां और बेटे के निकटतम रक्त-संबंध के बावजूद, यह अपदस्थ मां, अपने 'दोनों बच्चों' (पुत्र-पुत्रवधु) से एक समझदार, सम्मानजनक व्यवहार, रिश्ता और निश्छल प्यार पा कर अति प्रसन्न और तृप्त भी हो सकती है, यह कोई युवती बहू शायद ही समझती हो। कम से कम प्रयोग के तौर पर ही, नाममात्र को ही, यदि वह पहले की तरह उस मां को घर की सम्राज्ञी, उसके बेटे की 'वही मां' बनी रहने का 'भरम' बनाये रख सके तो सीधे-सीधे सिर्फ भारत ही नहीं, विश्व की एक बड़ी मनोवैज्ञानिक समस्या छूमंतर हो सकती है। लेकिन इतना तक भी धैर्य कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। *



(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-

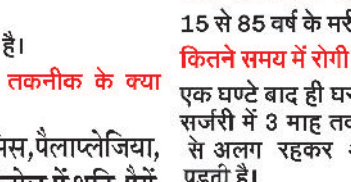

केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466



चित्तौड़गढ़ मीरा महोत्सव-2026

शौर्य की फिजा में महकती भक्ति

इतिहास में राजपूताना वीरगाथाओं से समृद्ध प्रदेश राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में आज और कल आयोजित हो रहे मीरा महोत्सव में भक्ति की बयार की अनुभूति आप कर सकते हैं। यह महोत्सव न केवल राजस्थान के इतिहास बल्कि वहां की कला, संगीत, संस्कृति से रूबरू होने का अवसर भी प्रदान करती है। इस महोत्सव की विशिष्टताओं पर एक नजर।

सांस्कृतिक आयोजन
वीना गौतम

कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जहां घूमने का अर्थ केवल खूबसूरत इमारतों को देखना, तस्वीरें खींचना और रास्ते में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना भर नहीं होता। वहां की मिट्टी, हवा और पत्थर भी कोई कहानी सुनाते हैं। राजस्थान का चित्तौड़गढ़ ऐसी ही जगह है। यहां दुर्ग की ऊंची प्राचीरें शौर्य और बलिदान की गाथाएं कहती हैं, विजय स्तंभ इतिहास की विराटता का अहसास कराता है और इन्हीं ऐतिहासिक दीवारों के बीच स्थित मीरा मंदिर प्रेम, समर्पण और आत्मिक स्वतंत्रता की एक बिल्कुल अलग दुनिया में ले जाता है। आज 25 और कल 26 अक्टूबर 2026 को आयोजित हो रहा मीरा महोत्सव ऐसा ही एक खास अवसर है।

संगीत-परंपरा की अनुभूति : राजस्थान पर्यटन के अनुसार इस दो दिवसीय आयोजन में मीरा की भक्ति, कविता, संगीत और राजस्थान की लोकपरंपराओं को केंद्र में रखा जाएगा। ऐसे में यह सफर केवल एक ऐतिहासिक शहर की सैर नहीं बल्कि उस प्रेम स्वरूपा महाभक्त मीरा को समझने का अवसर भी है, जिसने राजमहलों की मर्यादाओं के बीच अपने मन की स्वतंत्रता और कृष्ण के प्रति अपनी अनन्य भक्ति को चुना।

बहती है मीरा की भक्ति धारा: चित्तौड़गढ़ का नाम आते ही रानी पद्मिनी, महाराणा कुंभा, महाराणा सांगा और राजपूताना के शौर्य की स्मृतियां सामने आ जाती हैं। लेकिन इस शहर की सांस्कृतिक पहचान का एक दूसरा पक्ष भी है, जो तलवार की चमक से नहीं, वीणा की धुन और भक्ति के स्वर से उजागर होता है। मीरा इसी पक्ष की प्रतिनिधि हैं। सोलहवीं सदी की भक्त-कवयित्री मीराबाई का जीवन कृष्ण के प्रति उनकी अनन्य आस्था और सामाजिक रूढ़ियों से टकराने के लिए याद किया जाता है। उनके पदों में प्रेम है, विरह है, प्रतीक्षा है और अपने आराध्य के प्रति ऐसा समर्पण है, जो किसी एक काल या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उनकी कविता मंदिरों से निकलकर लोकगीतों, शास्त्रीय संगीत, भजन मंडलियों और आम लोगों की स्मृतियों में पहुंची। मीरा महोत्सव के दौरान भक्ति संगीत, काव्य और लोककलाओं के कार्यक्रम इस विरासत को नए सिरे से महसूस करने का अवसर देंगे।



पद्मिनी महल से गौमुख कुंड

ऐतिहासिक मीरा दुर्ग का दीदार: चित्तौड़गढ़ की यात्रा का सबसे प्रभावशाली पड़ाव है इसका विशाल दुर्ग। लगभग 180 मीटर ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह ऐतिहासिक परिसर दूर से ही अपने विस्तार और भव्यता से आकर्षित करता है। इसकी लंबी चढ़ाई, प्रवेशद्वार और भीतर फैले स्मारक, आगंतुकों को धीरे-धीरे उस दौर में ले जाते हैं, जब मेवाड़ की राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान इसी दुर्ग से आकार लेती थी। इसकी प्राचीरों पर खड़े होकर आस-पास के भू-भाग को देखना अपने आपमें एक अनुभव है। यहां इतिहास किसी बंद संग्रहालय में रखी वस्तु की तरह नहीं बल्कि खुले आकाश के नीचे फैले परिदृश्य की तरह सामने आता है। समय ने कई इमारतों को क्षतिग्रस्त किया, लेकिन उनके अवशेष आज भी सत्ता, संघर्ष, कला और स्मृति की परतें खोलते हैं। विजय स्तंभ इसकी पहचान का प्रमुख हिस्सा है। इसकी बारीकियों को देखते हुए समझ आता है कि मध्यकालीन भारत में स्मारक केवल विजय का प्रतीक नहीं बल्कि शिल्पकला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम भी थे।

आकर्षक मीरा मंदिर: इसी दुर्ग के भीतर मीरा मंदिर पहुंचकर यात्रा का स्वर बदल जाता है। यहां राजसी वैभव और युद्धों की



मीरा मंदिर

स्मृतियों के बीच भक्ति की एक शांत दुनिया दिखाई देती है। मंदिर की स्थापत्य शैली, नक्काशी और परिसर का वातावरण पर्यटकों को कुछ देर ठहरने के लिए बाध्य करता है। यहां पहुंचकर मीरा के पदों को याद करना इस यात्रा को और अर्थपूर्ण बना सकता है। उनके काव्य में कृष्ण केवल आराध्य नहीं, बल्कि आत्मीय संवाद के साथी हैं। मीरा का प्रेम किसी सांसारिक उपलब्धि की आकांक्षा नहीं रखता, वह अपने विश्वास के साथ जीने की स्वतंत्रता का भी प्रतीक है। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनकी कविता अलग-अलग भाषाओं और पीढ़ियों के लोगों को छूती है। मीरा मंदिर में कुछ समय शांत बैठकर आसपास के स्थापत्य को देखकर कल्पना कर सकते हैं कि कैसे किसी कवयित्री की निजी अनुभूति धीरे-धीरे सामूहिक सांस्कृतिक विरासत बन जाती है। पर्यटन का असली आनंद शायद इसी बिंदु पर मिलता है, जब कोई जगह केवल देखने की वस्तु नहीं रहती, बल्कि भीतर कुछ बदलने का अवसर बन जाती है।

ये स्थल भी हैं दर्शनीय: जब आप मीरा महोत्सव में शामिल होने के लिए चित्तौड़गढ़ जाएं तो यहां स्थित कई और स्थलों को देख सकते हैं। रानी पद्मिनी का महल, राणा कुंभा का महल, गौमुख कुंड और कालिका माता मंदिर जैसे स्थल, इतिहास तथा स्थापत्य के अलग-अलग रूप सामने लाते हैं। पद्मिनी महल का परिसर और उसके आस-पास का जलाशय दुर्ग के दृश्यात्मक आकर्षण को बढ़ाते हैं, जबकि राणा कुंभा का महल, मेवाड़ की राजसी विरासत को समझने का अवसर देता है। गौमुख कुंड पर पहुंचकर कुछ देर ठहरना अविस्मरणीय अनुभव हो सकता है। चट्टान से निकलकर कुंड में पहुंचते जलस्रोत का दृश्य प्रकृति और आस्था के पुराने संबंध की याद दिलाता है। दुर्ग के भीतर जैन मंदिर भी हैं, जिनकी बारीक नक्काशी और स्थापत्य विविधता इस क्षेत्र की बहुधार्मिक सांस्कृतिक विरासत का परिचय देती है। *

इसे भी करें एंज्वॉय

चित्तौड़गढ़ की यात्रा में राजस्थानी खान-पान का स्वाद भी शामिल होना चाहिए। दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी और स्थानीय शैली में तैयार पारंपरिक व्यंजन भोजन को यात्रा का यादगार हिस्सा बना सकते हैं। स्थानीय बाजारों में हस्तशिल्प, पारंपरिक कपड़े और क्षेत्रीय कलाकृतियां देखी, खरीदी जा सकती हैं।

बेहतर और सफल जीवन जीने के लिए सबको बदलने के बजाय खुद को समझिए और जरूरी बदलाव कीजिए। इससे आप मनचाही सफलता तो पाएंगे ही, जीवन में सार्थकता भी आएगी।

दुनिया को नहीं खुद को बदलिए

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन



अधिकतर लोग अकसर इसलिए परेशान रहते हैं कि ये दुनिया वैसी क्यों नहीं है, जैसी वे चाहते हैं? सच कहा जाए तो उनकी परेशानी का मूल ही यही सोच है। सुकून, समृद्धि और सफलता के लिए असल में जरूरत होती है खुद को बदलने की।

व्यर्थ न करें मानसिक ऊर्जा: दूसरों को बदलने की कोशिश में अपनी ऊर्जा बर्बाद मत कीजिए। हमारे तनाव का बड़ा हिस्सा अकसर उन चीजों से आता है, जो हमारे नियंत्रण में हैं ही नहीं। कोई हमारे बारे में क्या सोचता है, किसने हमें फोन नहीं किया, किसी ने हमारी बात क्यों नहीं मानी या किसी ने हमारे साथ वैसा व्यवहार क्यों नहीं किया जैसा हम चाहते थे? इन सवालों में मानसिक ऊर्जा खपती है। 'लेट देम' थ्योरी इसी प्रवृत्ति से बाहर निकलने का एक सरल तरीका है। किसी के व्यवहार से परेशान हों तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय खुद से पूछें, 'क्या यह मेरे नियंत्रण में है?' यदि जवाब 'नहीं' है तो अपनी ऊर्जा बचाइए।

समझें समय का सही उपयोग: समय बचाने से पहले यह तय कीजिए कि समय किसके लिए चाहिए? आज समय प्रबंधन पर हजारों तकनीकें उपलब्ध हैं, लेकिन हमारी टू-डू लिस्ट फिर भी खत्म नहीं होती। याद रखिए, हमारे पास हर काम करने के लिए अनंत समय नहीं है, इसलिए हर अवसर स्वीकार करना और हर काम पूरा करना संभव नहीं। इसका सीधा अर्थ है, प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। जिस काम के लिए समय नहीं है, उसे 'नहीं' कहना भी समय प्रबंधन है।



लोगों की परवाह छोड़िए: 'लोग क्या कहेंगे' जैसे डायलॉग को जिंदगी का कंट्रोलर मत बनने दीजिए। समाज की राय जरूरी हो सकती है, लेकिन यदि हर निर्णय इसी डर से लिया जाए कि दूसरे क्या सोचेंगे तो धीरे-धीरे अपनी पसंद, पहचान और इच्छा दबने लगती है। आपका काम, आदतें, स्वभाव हर व्यक्ति को पसंद आना संभव भी नहीं, जरूरी भी नहीं। यदि हर टिप्पणी आपके फैसले बदलने लगे तो जीवन आपका होकर भी आपका नहीं रहेगा। दूसरों का सम्मान कीजिए, पर अपनी जिंदगी का नियंत्रण उनके हाथ में मत दीजिए।

दिमाग पर हावी न हो मोबाइल: आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जो उपकरण हमें दुनिया से जोड़ने के लिए बना था, वही हमारा ध्यान सबसे ज्यादा भंग कर रहा है। हर कुछ मिनट में फोन देखना, रील बदलना, नोटिफिकेशन जांचना और बिना उद्देश्य स्क्रॉल करना एक आदत सी बन गई है। समाधान तकनीक को त्यागना नहीं, बल्कि उसकी सीमा तय करना है। सुबह उठते ही फोन न देखना, भोजन के समय उसे दूर रखना और सोने से पहले कुछ समय स्क्रीन-मुक्त रखना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। डिजिटल अनुशासन आज की नई जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा है।

रिश्तों में बातचीत जरूरी: हमारी कई पारिवारिक और व्यक्तिगत समस्याएं वास्तविक घटना से ज्यादा उसके बारे में बनाए गए अनुमान से पैदा होती हैं। किसी ने देर से जवाब दिया तो हमने मान लिया कि वह नाराज है। किसी ने कम बात की तो मान लिया कि रिश्ता खराब हो गया। इसके बजाय सीधे संवाद करना बेहतर है। आरोप लगाने के बजाय सवाल पूछिए, प्रतिक्रिया देने से पहले सामने वाले की बात सुनिए। रिश्तों में हर बात पर सहमत होना जरूरी नहीं, लेकिन असहमति के बीच सम्मान बचा रहना जरूरी है। अच्छा रिश्ता वह नहीं, जिसमें कभी झगड़ा न हो, अच्छा रिश्ता वह है, जिसमें झगड़े के बाद बातचीत का दरवाजा बंद न हो।

मुझसे नहीं होगा सोचना ठीक नहीं: कई क्षमताएं अभ्यास और सीखने से विकसित हो सकती हैं। उम्र, पिछली असफलता या पुरानी पहचान को भविष्य की अंतिम सीमा मान लेना जरूरी नहीं। जिसने कभी मंच पर भाषण नहीं दिया, वह अभ्यास से वक्ता बन सकता है। जिसने कभी नहीं लिखा, वह लिखना सीख सकता है। जिसने तकनीक से दूरी बनाई है, वह धीरे-धीरे डिजिटल कौशल हासिल कर सकता है।

व्यस्त नहीं एकाग्र रहें: एक साथ कई काम करने की हमारी आदत वास्तव में कई बार सारे कामों की गुणवत्ता कम कर देती है। लगातार आने वाले संदेश, ई-मेल और नोटिफिकेशन दिमाग को एक काम से दूसरे काम की ओर खींचते रहते हैं। इसलिए रोज कुछ समय एक महत्वपूर्ण काम के लिए बिना व्यवधान के निर्धारित करना उपयोगी है। तीस मिनट के कंसंट्रेशन टास्क से शुरुआत कीजिए। मोबाइल दूर रखिए, अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद कीजिए। *

प्रिकॉशन
शैलेंद्र सिंह

इन दिनों यंगस्टर्स में ईयरफोन से म्यूजिक सुनने की हैबिट बहुत तेजी से बढ़ रही है। लेकिन असावधानी बरतने पर इससे सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। विश्व श्रवण दिवस (27 अक्टूबर) पर जानिए उपयोगी बातें।

हार्मफुल हो सकती है ईयरफोन की दीवानगी





बस-मेट्रो में सफर करता युवा, अपनी गाड़ी में बैठकर ऑफिस जा रहा प्रोफेशनल हो, सड़क पर पैदल चलता किशोर, जिम में पसीना बहाता यंगस्टर या रात को बिस्तर पर लेटा विद्यार्थी, इन सबके बीच इन दिनों जो हैबिट तेजी से पॉपुलर हुई है, वह है- कानों में ईयरफोन लगाए रहना। म्यूजिक, पॉडकॉस्ट, वीडियो और ऑनलाइन बातचीत की दुनिया अब इतनी निजी हो गई है कि आस-पास की आवाजें कई बार हमारे लिए गैर जरूरी हो जाती हैं। लेकिन इस निजी दुनिया का एक खतरा भी है। जिस पर हम अकसर तब तक ध्यान नहीं देते, जब तक सुनाई देने वाली आवाजें धीमी नहीं पड़ने लगतीं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी: डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया भर में 12 से 35 वर्ष के 1 अरब से ज्यादा युवाओं को मनोरंजन के दौरान तेज आवाज के असुरक्षित संपर्क के कारण सुनने की क्षमता प्रभावित होने का खतरा रहता है। इसमें व्यक्तिगत ऑडियो, उपकरणों पर तेज आवाज में संगीत सुनना और मनोरंजन स्थलों पर अधिक शोर शामिल है।

स्मार्टफोन और म्यूजिक: पहले संगीत सुनने के लिए हम रेडियो, टेप रिकॉर्डर या म्यूजिक सिस्टम का सहारा लेते थे। लेकिन अब कुछ सेकेंड में ही हम अपने मनपसंद गाने सुन सकते हैं। यह सुविधा उपलब्ध कराई है, हमारी जेब में मौजूद रहने वाले स्मार्टफोन ने। यात्रा के दौरान, पढ़ाई करते समय, व्यायाम के वक्त और कई बार सोने से पहले तक हमारे विशेषकर युवाओं के कानों में ईयरफोन लगे रहते हैं। जिन कोशिकाओं की मदद से ध्वनि के संकेत हमारे मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, वे कोशिकाएं लगातार डिजिटल संगीत के संपर्क में रहने के कारण क्षतिग्रस्त होने लगती है। इससे सुनने की क्षमता प्रभावित होने लगती है।

खतरा केवल तीव्रता में नहीं: जोखिम तय करने में तीन बातें अहम है- आवाज कितनी तेज है, वह कितनी देर तक सुनी जा रही है और ऐसा कितनी बार होता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक श्रवण संबंधी सुरक्षित दिशा-निर्देशों के तहत औसतन 80 डेसिबल की ध्वनि के संपर्क में एक सप्ताह में 40 घंटे तक रहने से वयस्कों के लिए संदर्भित सुरक्षित सीमा मानी जाती है। यदि आवाज का स्तर 90 डेसिबल हो जाए, तो यह अवधि घटकर सप्ताह में केवल 4 घंटे रह जाती है। इसका मतलब है कि यांत्रिक आवाज थोड़ी भी बढ़ जाए तो कान की सुरक्षा प्रणाली असुरक्षित हो जाती है।

संगीत सुनिए लेकिन: संगीत जरूर सुनिए, लेकिन संगीत हमेशा सुनने की शक्ति बचाकर सुनिए। आवाज कम रखिए, चार-चार घंटे तक लगातार संगीत ही नहीं किसी भी वॉयस को सुनने से बचिए। हर आधे या एक घंटे बाद कानों को आराम दीजिए। आखिरकार संगीत जिंदगी को खूबसूरत बनाने का जरिया है, लेकिन इससे अपनी जिंदगी में सुनने की शक्ति को खत्म करके बदसूरत न बनाएं। *



'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां' गीत दृश्य



फिल्म 'बागबान' का इमोशनल सीन



'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा' गीत दृश्य

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों में दांपत्य प्रेम को अलग-अलग तरह से प्रस्तुत किया जाता रहा है। कई ऐसे गीत रचे गए हैं, जो आज भी करवा चौथ जैसे पर्व पर जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों और दांपत्य प्रेम पर केंद्रित गीतों पर एक नजर।

फिल्मी गीतों में खूब दमकता रहा है दांपत्य प्रेम

पारिवारिक, धार्मिक ही नहीं हर तरह की हिंदी फिल्मों में पति-पत्नी के रिश्ते को बहुत महत्व दिया जाता रहा है। खासतौर पर दांपत्य जीवन खुशहाल बनाने के लिए पत्नी के द्वारा किए जाने वाले त्याग और समर्पण को भी फिल्मों में अलग-अलग नजरिए से फिल्माया जाता रहा है। पत्नी के द्वारा अपने सुहाग यानी पति के लिए व्रत की बात आती है तो बॉलीवुड में इस पर भी केंद्रित कुछ फिल्मी दृश्य और एक से बढ़कर सुंदर गीत रचे गए हैं।

यादगार हैं ये गीत: पति-पत्नी के प्रेम को समर्पित करवा चौथ के गीतों की बात करें तो 65 वर्ष पहले बनी फिल्म 'बहू-बेटी' का एक गीत सबसे पहले याद आता है। माला सिन्हा, अशोक कुमार, जॉय मुखर्जी और मुमताज स्टारर इस फिल्म में आशा भोंसले के गाए गीत 'आज है करवा चौथ सखी री, मांग ले सुख दान' को आज भी याद किया जाता है। इसमें करवा चौथ के पर्व को जिस तरह से उत्सव जैसा दिखाया गया, वह बाद की फिल्मों के लिए नजीर बना। इसके बाद भी कुछ फिल्मों में करवा चौथ से जुड़े गीत या कहानी पर आधारित दृश्यों ने पति के प्रति पत्नी के प्रेम, निष्ठा, समर्पण, त्याग और सम्मान को प्रभावी तरीके से पेश किया जाता रहा है।

वर्ष 1969 में रिलीज हुई फिल्म 'सुहागरात' का गीत 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे', भी दांपत्य प्रेम को बहुत खूबसूरती से प्रकट करता है। इसी तरह वर्ष 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'सौदागर' में फूल बानो (पद्मा खन्ना) अपने पति मोती (अमिताभ बच्चन) के लिए जब 'सजना है मुझे सजना के लिए...' गाती हैं तो एक सजी-धजी पत्नी का चेहरा सामने आ जाता है, जो अपने पति को खुशी देने के लिए सजती-संवरती है। भले इसे करवा चौथ से सीधा जोड़ा नहीं जाए पर यह हर करवा चौथ पर उन गीतों में शामिल होता है, जो इस दिन जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं।

कुछ इसी तरह का एक गाना फिल्म 'गीत गाता चल' का है, जो 51 वर्ष पहले आई थी। 'मैं वही, दर्पण वही, न जाने ये क्या हो गया कि सब कुछ लागे नया-नया..' में सारिका-सचिन की जोड़ी एकदम से भारतीयता में रची-बसी नजर आती है। पूरी तरह लगता है कि दांपत्य प्रेम को समर्पित है यह गीत।

ये फिल्में भी हैं यादगार: करवा चौथ को पूरी तरह से समर्पित फिल्म 'करवा चौथ' 1978 में रामलाल हंस ने बनाई थी, जो इस पर्व के लिए पहली फिल्म मानी जाती है। आशीष कुमार, कामिनी कौशल, आद्या, पद्म चव्हाण, रमेश देव और हेलन ने इसमें अभिनय किया था। उषा मंगेशकर के गाए गीत 'करवा चौथ का व्रत ऐसा', इस मूवी का मुख्य गीत था। इसमें हेलन ने अपनी सखियों के साथ पारंपरिक तौर तरीके से करवा चौथ को सेलिब्रेट किया।



'करवाचौथ का व्रत ऐसा' गीत मे हेलन

करवा चौथ पर दांपत्य प्रेम को प्रभावी तरीके से प्रेजेंट करने वाली दो और फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है। ये हैं- 'मांग भरो सजना' और 'सुहागरात'। सन 1980 में जब 'मांग भरो सजना' में पति का दो पत्नियों के बीच में संतुलन बनाने का प्रयास करना, उस दौर में महिलाओं के बीच सर्वाधिक चर्चा का विषय बन गया था। रेखा और मौसमी चटर्जी के किरदारों ने इसमें जीतेंद्र के लिए व्रत रखकर पूरे समर्पण के साथ इस गीत के फिल्मांकन को प्रस्तुत किया है। आशा भोसले तथा लता मंगेशकर की आवाज में गाया यह गीत, 'दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे...' आज भी करवा चौथ के अवसर पर विवाहित महिलाएं सुनना पसंद करती हैं।

पति के साथ को समर्पित भावुक गीत: फिल्म 'सुहागरात' का गीत, 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे...' पत्नी का पति के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा को दिखाता है। उसका मन सूरज-चांद से भी नहीं भर रहा है तो वह पति की जिंदगानी के लिए उससे आगे निकल जाती है। उसे लगता है कि सूरज चांद तो छिप सकते हैं पर मां गंगा कभी नहीं सूखेंगी और वह उससे अपने पति का जीवन जोड़ देती है। दांपत्य प्रेम की पराकाष्ठा व्यक्त करता है यह गीत।

ये गीत-दृश्य भी हैं दांपत्य को समर्पित: नए दौर की फिल्मों में भी कई गीत ऐसे रचे गए, जिन्होंने दर्शकों को करवा चौथ के प्रति संवेदनशील बनाया और इस पर्व की महत्ता को नया मोड़ दिया। इनमें 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का 'घर आ जा परदेसी', 'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां', 'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा बादल में', 'जख्म' का 'गली में आज चांद निकला' के अतिरिक्त भी कई ऐसे गीत हैं, जो भले ही करवा चौथ का आधार नहीं लेते हों पर इस दिन विवाहित महिलाएं गुनगुनाती नजर आती हैं। हां, 'राजा हिंदुस्तानी' का वह सीन भी इस दिन अवश्य याद आता है, जिसमें करिश्मा कपूर अपने पति के लिए निर्जला व्रत रखती है और एक भावनात्तक मोड़ इसका एंड करता है। ठीक वैसे ही जैसे करवा चौथ पर चांद देखने के बाद पति-पत्नी एक-दूसरे को देखते हुए ऐसे लगते हैं जैसे कह रहे हों सात जन्मों का रिश्ता है हमारा। यहां फिल्म 'बागबान' का जिक्र करना भी जरूरी है। इसमें अमिताभ का किरदार, अपनी पत्नी (हेमा मालिनी) के लिए व्रत रखता है। दोनों एक-दूसरे से दूर रहकर भी दांपत्य के अटूट प्रेम बंधन में जुड़े दिखते हैं। *

पर्व / आर. सी. शर्मा

शरद पूर्णिमा चांदनी रात में भक्ति की दिव्यता



भारतीय सनातन परंपरा में पर्व-त्योहार आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाले आध्यात्मिक सोपान भी होते हैं। इन्हीं पावन पर्वों में शरद पूर्णिमा का विशिष्ट स्थान है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति की अनुपम छटा, चंद्रमा की धवल चांदनी, श्रीकृष्ण की महारास लीला और मां लक्ष्मी की आराधना के कारण विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

महारास की दिव्य रात्रि: शरद पूर्णिमा का सर्वाधिक भावपूर्ण आध्यात्मिक संदर्भ भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला से जुड़ा है। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंद में वर्णित रासपंचाध्याई भगवान के माधुर्य स्वरूप और गोपियों की अनन्य भक्ति का अद्भुत आख्यान प्रस्तुत करती है। शरद ऋतु की निर्मल रात्रि, यमुना का तट, वृंदावन की कुंज गलियां और मुरली की मधुर तान यह समूचा परिवेश भक्ति साहित्य में दिव्यता के अनुपम बिंब के रूप में प्रतिष्ठित है। भागवत परंपरा में रासलीला को लौकिक प्रेम की सीमाओं से ऊपर उठकर ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण के भाव से देखा जाता है। महारास का आध्यात्मिक मर्म यही है कि जब अहंकार, स्वार्थ और सांसारिक आसक्ति का आवरण हटता है, तब हृदय में अनन्य भक्ति का प्रकाश प्रकट होता है। इस दृष्टि से शरद पूर्णिमा केवल चंद्रदर्शन की रात्रि नहीं बल्कि कृष्णमय चेतना में निमग्न होने का पावन अवसर है। मंदिरों में ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार, भजन-कीर्तन और रासलीला के आयोजन इसी भक्तिभाव को साकार करते हैं।

चांदनी में अमृतवर्षा: सनातन धर्म में चंद्रमा को मन का अधिष्ठाता माना गया है। वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में चंद्रदेव की उपासना, सोम की अवधारणा और शीतलता के प्रतीक के रूप में चंद्रमा का विशेष महत्त्व है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में आकाश में पूर्ण चंद्रमा अपनी उज्ज्वल आभा बिखेरता है। वर्षा ऋतु के पश्चात निर्मल आकाश और स्वच्छ वातावरण इस प्राकृतिक सौंदर्य को और भी मनोहारी बना देते हैं। लोकमान्यता है कि इस रात्रि चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है। इसी विश्वास के कारण अनेक घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे चंद्रकिरणों में रखने और अगले दिन उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करने की परंपरा प्रचलित है। इस परंपरा में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पारिवारिक सहभागिता और पवित्र भावना का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

व्रत-पूजन: शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालु अपनी पारिवारिक परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार व्रत रखते हैं। प्रातः स्नान के उपरांत देवपूजन, इष्टदेव का स्मरण और दान-पुण्य किया जाता है। संध्याकाल में चंद्रदर्शन के पश्चात चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा भी अनेक स्थानों पर प्रचलित है। मंदिरों में विशेष भोग, दीपदान, हरिनाम संकीर्तन और धार्मिक प्रवचन आयोजित किए जाते हैं। कहीं श्रीकृष्ण को श्वेत वस्त्रों और पुष्पों से सजाया जाता है, तो कहीं रात्रि में भजन-मंडलियां भक्तिरस का संचार करती हैं। इन समस्त अनुष्ठानों का मूल उद्देश्य अंतःकरण की शुद्धि और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का संवर्धन है। *